11th ANNIVERSARY

त्रिपुरी टाइम्स

www.tripuritimes.com

वर्ष 11 अंक 27

जबलपुर, रविवार 22 फरवरी 2026

पृष्ठ संख्या : 8 मूल्य : 2 रुपए

भारत-ब्राजील संबंधों में नयी ऊर्जा, पांच वर्षों में 20 अरब डॉलर के व्यापार का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लुला दा सिल्वा के साथ उनकी बातचीत से दोनों देशों की रणनीति साझेदारी में नयी ऊर्जा आयी है और दोनों पक्षों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर (करीब 1,814.5 अरब रुपये) के पार ले जाने की प्रतिबद्धता जतायी है। श्री मोदी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आये श्री दा सिल्वा के साथ शनिवार को यहां द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में कहा कि श्री दा सिल्वा की यात्रा ने भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी में नया जोश भर दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा,' राष्ट्रपति दा सिल्वा की यात्रा ने हमारी रणनीतिक साझेदारी में नयी ऊर्जा का संचार किया है। ब्राजील लातिन अमेरिका में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। हम अगले पांच वर्षों में अपने द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर (करीब 1,814.5 अरब रुपये) से आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा व्यापार केवल एक आंकड़ा नहीं है, यह विश्वास का प्रतिबिंब है। श्री मोदी ने कहा कि श्री दा सिल्वा के साथ आया बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल इन संबंधों में बढ़ते भरोसे को दिखाता है। उन्होंने कहा कि भारत-मर्कोसुर व्यापार समझौते का विस्तार आर्थिक सहयोग को और मजबूत करेगा। उन्होंनेक कहा, ' कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सुपर कंम्पयूटर, सेमीकंडक्टर और ब्लॉकचेन जैसे क्षेत्रों में अपने सहयोग को भी हम प्राथमिकता दे रहे हैं। हम दोनों देश मानते हैं कि प्रौद्योगिकी समावेशी होनी चाहिए और के इसे साझा प्रगति के पुल की तरह काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऊर्जा सहयोग हमारे संबंधों का एक मजबूत स्तम्भ रहा है। हाइड्रोकार्बन के साथ-साथ हम नवीकरणीय ऊर्जा , इथेनाल मिश्रमण, सतत विमान ईंधन जैसे अनेक क्षेत्रों में भी सहयोग को और अधिक गति दे रहे हैं। 'ग्लोबल बायो-फ्यूल अलायंस' में ब्राज़ील की सक्रिय भागीदारी, हरित भविष्य के प्रति साझा संकल्प को दर्शाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में हमारा सहयोग न केवल दोनों देशों के लिए, बल्कि पूरे ग्लोबल साउथ के लिए भी महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि दोनों देश ब्राजील में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) के लिए एक 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित करने पर काम कर रहे हैं। उन्होंने' आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन' (सीडीआरआई) की सह-अध्यक्षता करने के ब्राजील के प्रस्ताव का भी स्वागत किया। उन्होंने कहा, ' मैं इस पहल के लिए राष्ट्रपति दा सिल्वा को बधाई देता हूं।' राष्ट्रपति दा सिल्वा और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए श्री मोदी ने कहा कि वह पिछले साल अपनी ब्राजील यात्रा के दौरान मिले गर्मजोशी भरे स्वागत की दिल से सराहना करते हैं। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में श्री दा सिल्वा के नेतृत्व को बेहद अहम बताया। हैदराबाद हाउस में हुई वार्ता के बाद दोनों नेताओं की मौजूदगी में भारत और ब्राजील के बीच कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये गये।

पश्चिम बंगाल में सीएए की तैयारी: केंद्र ने गठित की समिति, अब सीधे मिलेगी भारतीय नागरिकता

नई दिल्ली, एजेंसी। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले पश्चिम बंगाल की राजनीतिक सरगर्मी तेज करते हुए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के प्रभावी कार्यान्वयन और इसकी निगरानी के लिए राज्य में एक सशक्त समिति का गठन किया गया है। वर्ष 2024 में अधिसूचित नियमों के तहत स्थापित यह समिति उन उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों के भाग्य का फैसला करेगी जो अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आकर पश्चिम बंगाल में शरण लिए हुए हैं। यह समिति नागरिकता आवेदनों की जांच करने और उन्हें मंजूरी देने के लिए अंतिम प्राधिकरण के रूप में कार्य करेगी। समिति का प्राथमिक उत्तरदायित्व यह सुनिश्चित करना है कि सभी आवेदन पूर्ण हों और आवेदक नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 6बी के तहत निर्धारित सभी कानूनी शर्तों को पूरा करते हों। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आधिकारिक आदेश के अनुसार, पश्चिम बंगाल के लिए गठित इस समिति की कमान जनगणना कार्य निदेशालय के डिप्टी रजिस्ट्रार जनरल को सौंपी गई है। समिति की संरचना अत्यंत व्यापक है, जिसमें सुरक्षा और प्रशासनिक तालमेल के लिए सब्सिडियरी इंटेलिजेंस ब्यूरो (एसआईबी) के उच्चाधिकारी, क्षेत्रीय विदेशी पंजीकरण अधिकारी, और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, पोस्ट मास्टर जनरल और रेलवे के क्षेत्रीय मंडल रेल प्रबंधक के प्रतिनिधियों को भी इसमें स्थान दिया गया है ताकि प्रक्रिया को सुगम बनाया जा सके। विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में राज्य सरकार के गृह विभाग के प्रतिनिधियों को भी जगह दी गई है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि केंद्र इस संवेदनशील प्रक्रिया में प्रशासनिक पारदर्शिता बनाए रखना चाहता है। सीएए नियमों के अनुसार, 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोग नागरिकता के पात्र हैं।

टीटनेस और डिप्थीरिया से मिलेगी दोहरी सुरक्षा, यूनिवर्सल इम्यूनाइज़ेशन प्रोग्राम के तहत होगी उपलब्ध

जेपी नड्डा ने सीआरआई कसौली में की नई टीडी वैक्सीन लॉन्च

सोलन,एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को हिमाचल प्रदेश के सोलन जिला स्थित केंद्रीय अनुसंधान संस्थान (सीआरआई) कसौली में टीटनेस और एडल्ट डिप्थीरिया (टीडी) वैक्सीन का औपचारिक शुभारंभ किया। यह स्वदेशी वैक्सीन सीआरआई के वैज्ञानिकों के प्रयासों से विकसित की गई है और अब इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया जाएगा। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि यह टीडी वैक्सीन किशोरों, वयस्कों तथा गर्भवती महिलाओं को टीटनेस और डिप्थीरिया जैसी गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि यह वैक्सीन पूर्व में उपयोग की जा रही टीटनेस टॉक्सॉइड (टीटी) वैक्सीन का स्थान लेगी, जिससे डिप्थीरिया के विरुद्ध भी अतिरिक्त सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी। मंत्री ने कहा कि भारत दवाओं और वैक्सीन निर्माण के क्षेत्र में विश्वस्तरीय पहचान बना चुका है और इसमें सीआरआई कसौली की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। लगभग 120 वर्षों के इतिहास वाले इस संस्थान ने देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने में अहम योगदान दिया है। उन्होंने वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। नई टीडी वैक्सीन को अब यूनिवर्सल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम (यूआईपी) के तहत उपलब्ध कराया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, लॉन्च के बाद अप्रैल 2026 तक लगभग 55 लाख खुराकें यूआईपी को उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। भविष्य में मांग के अनुसार इसकी आपूर्ति और बढ़ाई जाएगी। विशेषज्ञों के मुताबिक टीटनेस और डिप्थीरिया दोनों ही गंभीर संक्रामक रोग हैं, जो समय पर टीकाकरण न होने पर जानलेवा साबित हो सकते हैं। टीडी वैक्सीन इन रोगों से होने वाली मृत्यु दर और जटिलताओं को कम करने में सहायक सिद्ध होगी। सीआरआई ने इसके निर्माण और गुणवत्ता परीक्षण की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। स्वदेशी तकनीक से विकसित इस वैक्सीन के लॉन्च को सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे देश में टीकाकरण अभियान को और मजबूती मिलेगी।

जयपुर में सीजेआई ने किया खुलासा बोले मेरे नाम से नाइजीरिया में बनीं फर्जी साइट्स

जयपुर, एजेंसी। साइबर सिक्योरिटी- अवेयरनेस, प्रोटेक्शन, एंड इंक्लूसिव एक्सेस टू जस्टिस विषय पर आयोजित तीन दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्य कांत ने डिजिटल सुरक्षा और न्याय प्रणाली के भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। इस दौरान सीजेआई ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि वह स्वयं और उनका परिवार भी साइबर अपराधियों के निशाने पर रहा है। उन्होंने अपना व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए कहा कि नाइजीरिया में उनके नाम पर फर्जी वेबसाइट्स बनाई गईं और उनके परिवार के सदस्यों को संदेश भेजे गए। सीजेआई सूर्य कांत ने बताया कि उन्हें लगभग हर दूसरे दिन अपने नाम पर बनी नई फर्जी साइट्स के बारे में पता चलता है। इन फर्जी साइट्स के जरिए उनकी बहनों और उनकी बेटियों जैसे युवा वकीलों को मैसेज भेजे गए। उन्होंने इस स्थिति पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि ये फर्जी गतिविधियां मुख्य रूप से नाइजीरिया से संचालित की जा रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि डिजिटल क्रांति ने जहां गवर्नेंस, सेवाओं और संचार को सुगम बनाया है, वहीं इसके खतरों से भी निपटने की तत्काल आवश्यकता है। सीजेआई ने कड़े लहजे में यह भी स्पष्ट किया कि न्यायिक प्रक्रिया में डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई प्रावधान मौजूद नहीं है, इसलिए आम जनता को ऐसे दावों से सावधान रहना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करना नागरिक शिक्षा का एक अनिवार्य हिस्सा होना चाहिए और सभी संस्थानों को एक समन्वित भागीदार के रूप में मिलकर काम करना चाहिए। इसी कॉन्फ्रेंस के दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने साइबर अपराधों पर नकेल कसने के लिए राज्य में एक स्पेशल साइबर कोर्ट बनाने का ऐतिहासिक ऐलान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में तकनीक के विस्तार के साथ साइबर अपराध की चुनौतियां बढ़ी हैं, जिनसे निपटने के लिए विशेष न्यायिक ढांचे की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस विशेष अदालत से न केवल मामलों के निपटान में तेजी आएगी, बल्कि जनता में साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। मुख्य न्यायाधीश ने इस पहल के लिए राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में राजस्थान की उप-मुख्यमंत्री दीया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा और कानून मंत्री जोगाराम पटेल सहित कई राजनीतिक और कानूनी हस्तियां मौजूद रहीं। सभी ने डिजिटल सुरक्षा के महत्व और साइबर जागरूकता बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। विशेषज्ञों और सीजेआई ने इस बात पर बल दिया कि केवल तकनीकी समाधान ही पर्याप्त नहीं हैं, व्यक्तिगत डेटा और वित्तीय जानकारी की सुरक्षा के लिए सख्त नीतियों के साथ-साथ समाज के हर वर्ग को शिक्षित करना अनिवार्य है।

पालतू पिटबुल डॉग ने अपने ही मालिक का शरीर नोंच-नोंच कर खा लिया

बदबू आने पड़ोसियों ने पुलिस को बुलाया, दरवाजा तोड़ा तो मंजर देख कांप गई रुह

रोम,एजेंसी। इटली के पेरुगिया में एक पालतू पिटबुल डॉग ने अपने मालिक का शरीर काटकर जश्मी कर दिया जिससे मालिक की मौत हो गई थी, जिसके बाद उसके 3 पालतू डॉग्स कई दिनों तक उसका शरीर खाते रहे और जब बदबू आने लगी तब जाकर पड़ोसियों को शक हुआ। इसके बाद पुलिस को बुलाया गया, जब अपार्टमेंट का दरवाजा तोड़ा तो पुलिसवाले अंदर का नजारा देखकर हैरान गए। इस शख्स का आधा शरीर गायब था और कुत्तों की हालत देखकर कोई अंदर जाने की हिम्मत तक नहीं कर पा रहा था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इतनी खौफनाक मौत पाने वाले शख्स की पहचान 52 साल के सल्वातोर एलेग्रुची के रुप में हुई, जिन्होंने अपने अकेलेपन को दूर करने के लिए 3 पिटबुल डॉग्स पाले थे वो अपार्टमेंट में मृत पाए गए और उनके शरीर का आधा हिस्सा उन्हीं के तीन 'पिटबुल' कुत्तों ने खा लिया था। यह दिल दहला देने वाला मंजर तब सामने आया जब कई दिनों तक संपर्क न हो पाने पर उनकी भतीजी ने पुलिस को सूचना दी। जब अधिकारी घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे, तो वहां की दुर्गंध और खौफनाक दृश्य देखकर रूह कांप गई। जानकारी के मुताबिक इटली के गुआल्डो टाडिनो गांव में रहने वाले सल्वातोर अपने अपार्टमेंट में बिल्कुल अकेले रहते थे। पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक सल्वातोर की मौत करीब चार दिन पहले किसी अचानक बीमारी की वजह से हुई थी। घर के अंदर बंद उन तीन पिटबुल कुत्तों को चार दिनों तक न तो खाना मिला और न ही पानी। भूख से पागल हो चुके इन बेजुबानों ने आखिर में अपने ही मालिक के बेजान शरीर को अपना खाना बना लिया। उधर सल्वातोर की भतीजी उन्हें लगातार कॉल किए जा रही थी, जिसका कोई जवाब नहीं मिल रहा था, जिसकी वजह से उसे किसी अनहोनी का शक हुआ। 15 फरवरी को जब पुलिस और फायरफाइटर मौके पर पहुंचे, तो घर से उठती तेज गंध सब कुछ बयां कर रही थी। जब रेस्क्यू टीमें अंदर दाखिल हुईं, तो वे तीनों पिटबुल काफी हिंसक थे। इसके बाद काफी मशक्कत करते हुए स्थानीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की पशु चिकित्सा सेवा ने तीनों कुत्तों को अपने कब्जे में ले लिया है, जहां उनकी मानसिक और शारीरिक स्थिति की जांच की जाएगी।

ट्रंप के नाम पर एयरपोर्ट रखने का प्रस्ताव फ्लोरिडा की राजनीति में छिड़ी बहस

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर फ्लोरिडा के पालम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम बदलने का प्रस्ताव अमेरिकी राजनीति में चर्चा का बड़ा विषय बन गया है। रिपब्लिकन बहुल फ्लोरिडा स्टेट लेजिस्लेचर एयरपोर्ट का नाम 'डोनल्ड जे ट्रंप इंटरनेशनल एयरपोर्ट' रखने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। राज्य के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में मंगलवार को यह प्रस्ताव 81-30 मतों से पारित हो गया। रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं का तर्क है कि ट्रंप फ्लोरिडा से राष्ट्रपति बनने वाले पहले व्यक्ति हैं, इसलिए उन्हें यह सम्मान मिलना चाहिए। हालांकि ट्रंप ने अपने जीवन का अधिकांश समय न्यूयॉर्क में बिताया और अपने पहले कार्यकाल के अंतिम चरण में फ्लोरिडा को आधिकारिक निवास बनाया था। वहीं डेमोक्रेटिक पार्टी के कई सांसदों ने इसका विरोध किया। उनका कहना है कि किसी मौजूदा राष्ट्रपति या पद पर आसीन नेता के नाम पर सार्वजनिक संपत्ति का नामकरण असामान्य परंपरा है और इससे राजनीतिक संदेश जाता है।

ट्रेडमार्क आवेदन से बढ़ा विवाद

विवाद का एक और बड़ा कारण द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन द्वारा दायर ट्रेडमार्क आवेदन है। कंपनी ने 'डोनल्ड जे ट्रंप इंटरनेशनल एयरपोर्ट' और उससे मिलते-जुलते नामों के लिए ट्रेडमार्क रजिस्ट्रेशन की अर्जी दी है। कंपनी के प्रवक्ता के मुताबिक, ट्रंप या उनका परिवार एयरपोर्ट के नाम बदलने से कोई रॉयल्टी या लाइसेंस शुल्क नहीं लेगा। हालांकि स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रेडमार्क दस्तावेज संकेत देते हैं कि इस नाम का उपयोग घड़ियों, आभूषण, कपड़े, रेस्तरां सेवाओं और स्मारिका वस्तुओं के लाइसेंसिंग के लिए किया जा सकता है। आवेदन में एयरपोर्ट के बैगेज चेक-इन क्षेत्र, निर्माण कार्य और यहां तक कि सुरक्षा जांच के दौरान इस्तेमाल होने वाले उत्पादों पर भी अधिकार का दावा शामिल बताया जा रहा है।

विपक्ष का संशोधन खारिज

स्टेट सीनेट में विपक्षी सांसदों ने एक संशोधन पेश कर यह सुनिश्चित करने की मांग की थी कि ट्रंप या उनके परिवार को नए नाम से कोई निजी आर्थिक लाभ न हो। हालांकि रिपब्लिकन सदस्यों ने समिति स्तर पर इस संशोधन को खारिज कर दिया। अब यह विधेयक सीनेट में मतदान के लिए जा सकता है। माना जा रहा है कि फ्लोरिडा के गवर्नर इसे मंजूरी दे सकते हैं। यह प्रस्ताव केवल नाम परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे जुड़े संभावित व्यावसायिक और राजनीतिक प्रभावों को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर बहस तेज हो गई है।

पाक की पंजाब सरकार ने दी सख्त चेतावनी, कहा- आतंकियों को दाना पानी देने वालों को होगी जेल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने रमजान के पवित्र महीने के दौरान नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण सुरक्षा और कानूनी चेतावनी जारी की है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि नागरिक अपनी जकात, खैरात और किसी भी प्रकार का डोनेशन देते समय अत्यंत सावधानी बरतें। आधिकारिक आदेश के अनुसार, किसी भी प्रतिबंधित संगठन या संदिग्ध संस्था को आर्थिक मदद पहुंचाना एंटी-टेररिज्म एक्ट 1997 के तहत एक गंभीर अपराध माना जाएगा। सरकार ने चेतावनी दी है कि यदि कोई व्यक्ति या समूह ऐसे संगठनों को वित्तीय सहायता देते हुए पकड़ा जाता है, तो उसके खिलाफ तत्काल और कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पंजाब सरकार ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर प्रतिबंधित संगठनों, चरमपंथी समूहों और अपंजीकृत ट्रस्टों की एक विस्तृत सूची भी साझा की है। इस सूची में लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, अल-कायदा, जमियत-उल-अंसार, आईएसआईएस और हिज्ब-उत-तहरीर जैसे संगठन शामिल हैं, जिन्हें भारत सरकार ने पहले ही आतंकी संगठन घोषित कर रखा है। पाकिस्तान में भी इन पर प्रतिबंध लागू है, हालांकि वहां की सरकार इन्हें चरमपंथी समूहों की श्रेणी में रखती है। प्रशासन का मानना है कि चरमपंथी तत्वों तक धन की पहुंच रोकने में आम जनता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है, इसलिए लोगों को किसी भी संस्था को दान देने से पहले उसकी वैधता की पूरी जांच-पड़ताल कर लेनी चाहिए।

290 किमी का सफर तय करने में यहां ट्रेन को लगते है पूरे 8 घंटे

बर्न, एजेंसी। चीन और जापान जैसे देशों में तो सुपरफास्ट ट्रेनें सैकड़ों किलोमीटर का सफर कुछ ही घंटों में पूरा कर लेती हैं। लेकिन इसके विपरीत दुनिया में एक ऐसी एक्सप्रेस ट्रेन भी है, जिसकी रफ्तार इतनी धीमी है कि महज 290 किलोमीटर का सफर तय करने में उसे पूरे 8 घंटे लगते हैं। इस वजह से उसे दुनिया की सबसे धीमी एक्सप्रेस ट्रेन के खिताब से जाना जाता है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, यह ट्रेन है स्विट्ज़रलैंड की प्रसिद्ध ग्लेशियर एक्सप्रेस। यह ट्रेन आल्प्स पर्वत श्रृंखला के खूबसूरत लेकिन चुनौतीपूर्ण इलाकों से गुजरती है। ग्लेशियर एक्सप्रेस स्विट्ज़रलैंड के दो लोकप्रिय कस्बों झेरमाट और सेंट.मॉरिटज को जोड़ती है। इसकी औसत गति केवल 36 किलोमीटर प्रति घंटा है, जो सुनने में किसी एक्सप्रेस ट्रेन जैसी बिल्कुल नहीं लगती। मगर इसके पीछे कई बड़ी वजहें हैं। दरअसल, ग्लेशियर एक्सप्रेस का उद्देश्य सिर्फ गंतव्य तक पहुंचाना नहीं, बल्कि यात्रियों को आल्प्स पर्वत की अद्भुत सुंदरता से रूबरू कराना है।

इसकी खिड़कियाँ बेहद बड़ी बनाई गई हैं ताकि यात्रियों को पैनारोमिक व्यू मिल सके और वे प्राकृतिक नज़ारों का आनंद उठा सकें। लोग इस ट्रेन में सफर इसलिए करते हैं ताकि वे स्विट्ज़रलैंड की शानदार घाटियों, पहाड़ों और ग्लेशियरों को करीब से देख सकें। ट्रेन के धीमी गति से चलने के तकनीकी कारण भी हैं। इसका पूरा रूट दुर्गम पहाड़ी इलाकों से गुजरता है जहाँ तेज गति में ट्रेन चलाना जोखिम भरा हो सकता है। कहीं ऊँची चढ़ाई है, कहीं तेज ढलान, तो कहीं खतरनाक मोड़। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्पीड को नियंत्रित रखा जाता है। इसके अलावा यह ट्रेन नैरो गेज ट्रैक पर चलती है, जिस पर अत्यधिक रफ्तार उपयुक्त नहीं मानी जाती। यह 8 घंटे का सफर बेहद रोमांचक माना जाता है क्योंकि रास्ते में ट्रेन 291 पुलों और 91 टनलों से गुजरती है। यह यात्रा समुद्र तल से करीब 6670 फीट की ऊँचाई पर होती है, जो इसे और भी अनूठा बनाती है। ग्लेशियर एक्सप्रेस में फर्स्ट क्लास, सेकंड क्लास और लग्ज़री एक्सिलेंस क्लास जैसी सुविधाएँ मिलती हैं, जहाँ यात्रियों को 5-स्टार होटल जैसी सर्विस दी जाती है। धीमी होने के बावजूद यह ट्रेन अपने अनुभव, प्राकृतिक सौंदर्य और रोमांचक रूट के कारण दुनिया की सबसे पसंदीदा ट्रेनों में शामिल है। मालूम हो कि भारत में हाई स्पीड ट्रेनों का दौर तेजी से बढ़ रहा है। वंदे भारत, राजधानी और तेजस जैसी ट्रेनें जहां तेज रफ्तार के लिए जानी जाती हैं, वहीं बुलेट ट्रेन परियोजना भी अपने विस्तार की ओर है।

इस्तीफे पर हेमंत कटारे का ट्वीट

मैं पद से नहीं, जनता के विश्वास से ताकत लेता हूं...

चौधरी बोले-नियुक्ति खरगे जी ने की वे ही निर्णय लेंगे

भोपाल। भिंड जिले की अटेर सीट से कांग्रेस विधायक और मध्य प्रदेश विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे के इस्तीफे को लेकर सियासत तेज हो गई है। इस्तीफे की चचाओं के बीच कटारे ने सोशल मीडिया पर लंबा पोस्ट कर अपनी स्थिति स्पष्ट की और कहा कि उनकी ताकत किसी पद से नहीं, बल्कि जनता के विश्वास से आती है। बता दें कि एक दिन पहले ही कटारे ने उप नेता प्रतिपक्ष पद से इस्तीफा दिया है। कटारे ने लिखा कि कांग्रेस उनके स्वर्गीय पिता की विरासत है। फोन न उठाने को लेकर लग रहे कयासों पर उन्होंने कहा कि शादी की सालगिरह पर परिवार के साथ समय बिताना कोई साजिश नहीं, बल्कि उनका अधिकार है। उन्होंने विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए लिखा कि सोमवार से सदन में पूरी तैयारी और दस्तावेजों के साथ उपस्थित रहेंगे तथा सरकार के भ्रष्टाचार और विभिन्न मुद्दों पर आवाज उठाएंगे। पोस्ट में उन्होंने यह भी कहा कि गोमांस, इंदौर के भागीरथपुरा, शंकराचार्य के अपमान और जहरीली हवा-दवा-पानी जैसे मुद्दों पर वे सरकार को घेरेंगे। अंत में लिखा- मैं पद से नहीं, जनता के विश्वास से ताकत लेता हूं, वही मेरी सबसे बड़ी शक्ति है।

जीतू पटवारी बोले- ट्वीट में सब स्पष्ट : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी से जब इस्तीफे को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि कटारे ने अपने ट्वीट में सारी बातें साफ कर दी हैं। पटवारी के मुताबिक लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि जनता के विश्वास से ही काम करता है और कटारे ने जो कहना था, सार्वजनिक रूप से कह दिया है।

हरीश चौधरी बोले- नियुक्ति अक्छउ की, फैसला भी वहीं होगा : उप नेता प्रतिपक्ष पद से हेमंत कटारे के इस्तीफे के बाद कांग्रेस में जारी चचाओं के बीच प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने इसे पार्टी का आंतरिक मामला बताया है। भास्कर से बातचीत में चौधरी ने कहा कि कांग्रेस के हर कार्यकर्ता से उनका संवाद होता है और हेमंत कटारे वरिष्ठ नेता हैं, उनसे पहले भी बात होती रही है और आगे भी होती रहेगी।

नियुक्ति राष्ट्रीय स्तर से, फैसला भी वहीं : चौधरी ने स्पष्ट किया कि कटारे की नियुक्ति अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (अक्छउ) ने की थी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उन्हें पद दिया था, इसलिए इस्तीफा स्वीकार करने का अधिकार भी राष्ट्रीय अध्यक्ष को ही है। उन्होंने बताया कि वे दिल्ली में हुई बैठक में शामिल थे और इस मुद्दे पर पार्टी के भीतर प्रक्रिया चल रही है।

आंतरिक प्रक्रिया सार्वजनिक करना संभव नहीं : मीडिया के सवालों पर चौधरी ने कहा कि क्या हर आंतरिक प्रक्रिया को सार्वजनिक किया जाए? उन्होंने कहा कि कटारे ने इस्तीफा किन परिस्थितियों में दिया, इसकी जानकारी उन्होंने पार्टी नेतृत्व को दे दी है और जो संदेह थे, उनका जवाब भी उन्होंने ट्वीट के माध्यम से सार्वजनिक कर दिया है। चौधरी ने जोर देकर कहा कि पार्टी के आंतरिक लोकतंत्र की अपनी मयार्दा होती है और हर चरण को सार्वजनिक करना उचित नहीं है।

संवाद जारी रहने की बात : प्रदेश प्रभारी ने दोहराया कि कांग्रेस में संवाद की परंपरा है और हर कार्यकर्ता से लगातार बातचीत होती है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में भी संवाद जारी है और अंतिम निर्णय राष्ट्रीय नेतृत्व ही करेगा।

शिक्षा के विस्तार के साथ भारतीय संस्कृति से जुड़ाव आवश्यक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि शिक्षा विस्तार के साथ संस्कृति से जुड़ाव आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नई तकनीक के उपयोग के साथ भारतीय संस्कृति से जुड़े रहने को अवश्य प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार शाम भोपाल के गांधी नगर स्थित सागर पब्लिक स्कूल के रजत जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में उन्होंने सागर पब्लिक स्कूल के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों सहित सेवाभावी पदाधिकारियों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिये विद्यार्थी प्रशासनिक या पुलिस अधिकारी बनने के साथ श्रेष्ठ शिक्षक, समर्पित जनप्रतिनिधि, कुशल व्यापारी और अच्छे किसान बनने का भाव भी बनाये रखें। विद्यार्थी ऐसे प्रकल्पों से जुड़ें, जिससे वे नौकरी पाने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जीवन में श्रेष्ठ का अनुसरण करने की प्रवृत्ति होना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मैत्री का उदाहरण देते हुए कहा कि हमारी संस्कृति मानवीय मूल्यों को महत्व देती है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आगे बढ़ता राष्ट्र : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र आगे बढ़ रहा है। आज गूगल हो या अन्य कोई वैश्विक संस्थान, इनमें भारतीय ही कार्यपालन अधिकारी या अन्य प्रमुख भूमिकाओं में कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सागर समूह को स्कूल सहित 6 शिक्षण संस्थानों के बाद 7वें संस्थान के शुभारंभ की बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने समूह की शिक्षा क्षेत्र में 25 वर्ष की उपलब्धियों भरी यात्रा पूर्ण होने पर भी बधाई दी।

विज्ञान मॉडल देखे, प्रतिभाओं को किया सम्मानित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह में विद्यालय की प्रतिभाओं और सेवाभावी पदाधिकारियों को सम्मानित किया। इनमें कक्षा 10 वीं में 99.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तीसरी ऑल इंडिया रैंक हासिल करने वाले अंशुमन मौर्य भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यालय के किशोर वैज्ञानिक द्वारा निर्मित विभिन्न विज्ञान मॉडल जैसे प्लांट्स द्वारा जल प्रदूषण की रोकथाम, विंड मिल, लाइव गार्ड मैनेजमेंट देखे। उन्होंने मिट्टी के शिल्प निर्माण करने वाले बच्चों से संवाद कर विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना की। कार्यक्रम को विधायक श्री रामेश्वर शर्मा ने भी संबोधित किया। प्रारंभ में सागर समूह के प्रमुख श्री सुधीर अग्रवाल, श्री सिद्धार्थ और श्री सागर ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव सहित अन्य अतिथियों का स्वागत किया।

अंगूर, जामुन और फलों की शराब बेचने देंगे लाइसेंस

ड्यूटी भी नहीं लगेगी, नई आबकारी नीति में किसानों की आमदनी बढ़ाने पक जोर

भोपाल। राज्य सरकार अब प्रदेश में पैदा होने वाले अंगूर और जामुन के अलावा अन्य फलों से वाइन बनाने की अनुमति देगी। इसके लिए बाकायदा नए लाइसेंस जारी किए जाएंगे। सरकार का दावा है कि इसके माध्यम से अंगूर, जामुन और अन्य फल उत्पादित करने वाले किसानों की आमदनी बढ़ेगी। इनसे बनने वाली वाइन को आबकारी शुल्क से मुक्त रखा जाएगा। यह व्यवस्था एक अप्रैल से 31 मार्च 2027 तक की अवधि के लिए लागू की गई आबकारी नीति में की गई है। आबकारी विभाग द्वारा इसी साल एक अप्रैल से लागू होने वाली नई आबकारी नीति के लिए किए गए नोटिफिकेशन में कहा गया है कि राज्य शासन द्वारा घोषित अंगूर प्रसंस्करण नीति के अन्तर्गत प्रदेश में फलोद्यान विस्तार एवं फ्रूट प्रोसेसिंग को बढ़ावा देने एवं किसानों की आय में वृद्धि के लिए निर्णय लिया गया है। इसके अंतर्गत प्रदेश में उत्पादित अंगूर एवं जामुन के अतिरिक्त अन्य फलों तथा प्रदेश में उत्पादित एवं संग्रहीत शहद (हनी) से निर्मित वाइन के निर्माण की अनुमति रहेगी। इसके लिए नए वाइनरी लायसेंस जारी किए जायेंगे। नीति में यह भी कहा गया है कि मध्यप्रदेश में उत्पादित अंगूर से मध्यप्रदेश में निर्मित वाइन को आबकारी शुल्क से वित्तीय वर्ष 2027-28 तक के लिए मुक्त रखा गया है। यह छूट अन्य फलों तथा शहद (हनी) से निर्मित वाइन पर भी लागू होगी।

सभी बार लायसेंसी को 2 पेटी हेरिटेज शराब स्टॉक और बिक्री करना होगी

आबकारी नीति में कहा गया है कि सभी बार लायसेंसों को हेरिटेज मदिरा की न्यूनतम मात्रा 2 पेटी विक्रय के लिए अनिवार्य रूप से स्टॉक करेगा। यह स्टॉक निर्धारित न्यूनतम मात्रा से कम होना पाए जाने पर कलेक्टर ऐसी कम मात्रा पर अधिकतम रूपए 250 रुपए प्रति प्रूफ लीटर शास्ति अधिरोपित कर सकेगे। रेस्टोरेन्ट, पर्यटन, होटल, रिसोर्ट तथा क्लब बार लायसेंस के अन्तर्गत परिसर में विदेशी शराब की बिक्री का समय प्रातः 10 बजे से रात्रि 11:30 बजे तक रहेगा। यहां शराब पीने का समय रात्रि 12 बजे तक रहेगा।

वाइन टेस्टिंग सुविधा भी मिलेगी

नीति में कहा गया है कि प्रदेश में उत्पादित फलों, शहद से प्रदेश में वाइन निर्माण करने वाली इकाइयों को उनके परिसर में वाइन के फुटकर विक्रय के लिए एक रिटेल आउटलेट स्वीकृत किया जा सकेगा। आगंतुकों, पर्यटकों के लिए वाइनरी परिसर में वाइन टेवर्न (वाइन टेस्टिंग सुविधा) की अनुमति होगी। वाइन शॉप पर प्रदेश के उत्पादों से प्रदेश में ही निर्मित वाइन एवं हेरिटेज मदिरा तथा अन्य राज्यों में निर्मित हेरिटेज शराब जिसे मध्यप्रदेश शासन मान्य करेगा, उसकी ही बिक्री की जा सकेगी। इसी प्रकार एयरपोर्ट काउंटर पर भी हेरिटेज मदिरा, प्रदेश के उत्पादों से प्रदेश में ही निर्मित वाइन के बिक्री की अनुमति होगी।

300 मीटर की रेंज में कोई दूसरी दुकान है तो हटेगी

नई आबकारी नीति में कहा गया है कि वर्ष 2026-27 में कोई नई शराब दुकान नहीं खोली जायेगी। प्रदेश की किसी भी शराब दुकान के परिसर में मदिरा सेवन की अनुमति नहीं होगी। पॉलिसी में कहा गया है कि वर्तमान में कई जिलों में समान या भिन्न समूहों की अनेक शराब दुकानें बहुत आस-पास संचालित हैं। वर्ष 2026-27 में 300 मीटर की रेंज में संचालित शराब दुकानों को टेंडर प्रक्रिया से पूर्व समान निकाय में विस्थापित करना होगा। इसके लिए जिला स्तरीय समिति अधिकृत होगी। विस्थापित शराब दुकान उस दुकान के लिए घोषित परिक्षेत्र में स्थापित की जायेगी या विस्थापित की जाने वाली शराब दुकान के वर्तमान घोषित परिक्षेत्र में युक्तियुक्त स्थल के अभाव में आवश्यकतानुसार परिक्षेत्र के बाहर भी इस प्रकार विस्थापित की जा सकेंगी बशर्ते कि वह उस क्षेत्र में पूर्व से स्थापित शराब दुकान के पोटेंशियल एरिया को गंभीर रूप से प्रभावित न करे।

रायसेन में तीन रात से रुक-रुक कर बारिश

रायसेन। रायसेन जिले में पिछले तीन दिनों से रुक-रुक कर बारिश हो रही है और सर्द हवाएं चल रही हैं। इसके चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे ठंड बढ़ गई है। कुछ क्षेत्रों में गेहूं की फसल आड़ी हुई है, हालांकि किसानों का कहना है कि इससे ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। मौसम में यह बदलाव बुधवार दोपहर से शुरू हुआ। गुरुवार और शुक्रवार रात को भी बारिश हुई। दिन और रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। शुक्रवार को दिनभर ठंडी हवाएं चलती रहीं और कोहरे की धुंध छाई रही, साथ ही बीच-बीच में बूंदाबांदी भी होती रही।

प्रदेश में 4 दिन आंधी-बारिश का अलर्ट : भोपाल और जबलपुर में सुबह हल्की बरसात; रीवा समेत 5 जिलों में भी आसार

भोपाल। मध्य प्रदेश में 4 दिन आंधी-बारिश का दौर जारी रहेगा। शुक्रवार को साइक्लोनिक सकुर्लेशन (चक्रवात) और ट्रफ लाइन की एक्टिविटी की वजह से प्रदेश के 20 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। वहीं शनिवार को बादल छाए हुए हैं। नए सिस्टम की वजह से 23 और 24 फरवरी को फिर मौसम बदलेगा। ये

सिस्टम दक्षिण-पूर्वी जिलों में ज्यादा असर दिखाएगा। प्रदेश में 3 दिन से आंधी-बारिश वाला मौसम है। कुछ जिलों में ओले भी गिरे हैं। 24 घंटे के दौरान भोपाल, रतलाम, मंदसौर, शाजापुर, धार, इंदौर, रायसेन, उज्जैन, सागर, छतरपुर, शाजापुर समेत 20 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। तेज आंधी की वजह से रतलाम, शाजापुर, उज्जैन में फसलों पर असर पड़ा है। यहां गेहूं की फसलें आड़ी हो गई हैं। इस वजह से दानों पर असर पड़ेगा और किसानों की मुश्किलें बढ़ेंगी। तीन दिन में 25 जिलों में आंधी की वजह से फसलों को नुकसान पहुंचने का अनुमान है। ऐसे में सरकार ने भी सर्वे शुरू कर दिया है। राजस्व अमला मैदान में उतरकर प्रभावित फसलों का सर्वे कर रहा है।

बाप-बेटे की लाशें लिपटी मिलीं, मां भी पास पड़ी थी

बैतूल। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के ट्रिपल मर्डर केस के आरोपी दीपक धुर्वे खुद को दैत्य कहता था। अब उसका इलाज ग्वालियर के मानसिक रोग आरोग्य केंद्र में होगा। 11 पुलिसकर्मियों की टीम शनिवार को उसे लेकर रवाना हुई। उसे जेल के विशेष सेल में रखा जाएगा, जहां मानसिक रोगी कैदियों के उपचार और निगरानी की व्यवस्था है। आरोपी का स्वभाव अत्यधिक आक्रामक होने के कारण उसे नींद की दवा दी गई थी। बेहोशी की हालत में ही उसे ग्वालियर के लिए रवाना किया गया। पुलिस पिछले दो दिनों से उसे ले जाने की प्रक्रिया में जुटी थी। सांवगा गांव के दीपक धुर्वे ने 19 फरवरी को पिता राजू उर्फ हंसू धुर्वे (45), मां कमलती (40) और भाई दिलीप (23) की हत्या कर दी थी। इसके बाद वह दरवाजा बंद कर लाशों के पास बैठा रहा। कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची तो हंसू और दिलीप की लाशें एक-दूसरे से लिपटी मिलीं। पास ही कमलती की लाश पड़ी थी। फर्श और दीवारों पर खून के कतरे बिखरे मिले। 5 वर्षीय भांजा प्रशांत परते भी घायल हुआ था।

जुन्नारदेव नगर पालिका की बैठक में हंगामा

महिला पार्षदों के पति-बेटों की एंट्री पर विवाद, पहले भी हों चुकी है शिकायत

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा के जुन्नारदेव नगर पालिका परिषद की बैठक में शुक्रवार को उस समय हंगामे की स्थिति बन गई जब बैठक में महिला पार्षदों के पति और पुत्र शामिल होने पहुंच गए। पार्षदों ने उनकी उपस्थिति पर आपत्ति जताई, जिसके बाद जमकर कहासुनी हुई और मामला झूमा-झटकी तक पहुंच गया।

सिर्फ पार्षदों के लिए थी बैठक : नगरी निकाय क्षेत्र में पेयजल संकट के समाधान को लेकर बैठक बुलाई गई थी। इसमें केवल पार्षदों और संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को शामिल होना था लेकिन बैठक में वार्ड क्रमांक 2 की पार्षद लता टांडेकर के पति देवेंद्र टांडेकर, वार्ड क्रमांक 5 की पार्षद नीता कुरोलिया के पति शरद कुरोलिया और वार्ड क्रमांक 17 की पार्षद लक्ष्मीबाई चंद्रवंशी के पुत्र विवेक चंद्रवंशी (मंडल अध्यक्ष) पहुंच गए। बैठक में मौजूद अन्य पार्षदों ने इसे नियम विरुद्ध बताते हुए कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। इसी दौरान विवाद बढ़ा और स्थिति

तनावपूर्ण हो गई।

सीएमओ और अध्यक्ष रहे मौजूद : विवाद के दौरान नगर पालिका परिषद के सीएमओ और अध्यक्ष भी मौजूद थे। बैठक का माहौल गरमा गया और कुछ समय के लिए कार्यवाही प्रभावित रही। सूत्रों के मुताबिक, यह पहली बार नहीं है जब नगर पालिका की बैठक में महिला पार्षदों के स्थान पर उनके पति या बेटे शामिल हुए हों। पूर्व में भी इस तरह की शिकायतें सामने आ चुकी हैं। स्थानीय स्तर पर आरोप है कि जिन प्रतिनिधियों को जनता ने चुना है, उनकी जगह पर परिजन बैठक में भाग लेकर निर्णय प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं।

खजुराहो नृत्य समारोह हमारी राष्ट्रीय धरोहर : मुख्यमंत्री डॉ यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नटराज थीम पर केन्द्रित अंतर्राष्ट्रीय खजुराहो नृत्य समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंस से किया संबोधित

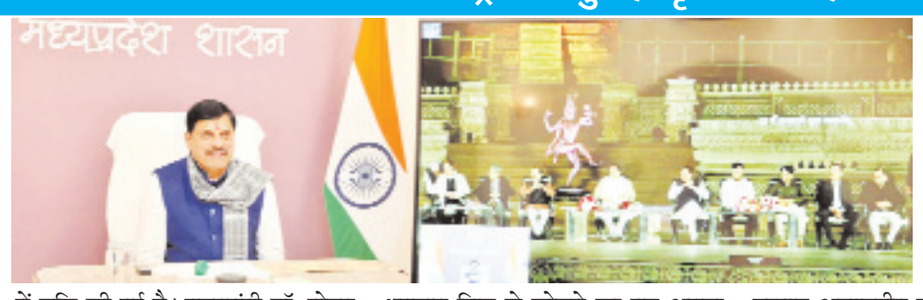

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि खजुराहो नृत्य समारोह हमारी राष्ट्रीय धरोहर है। खजुराहो ऐसा स्थान है जहां पत्थरों में प्राण होते हैं। खजुराहो में स्थित कंदरिया महादेव मंदिर, चतुर्भुज मंदिर, वामन मंदिर, चित्रगुप्त मंदिर, पार्वती मंदिर सहित देवालयों के परिवार विद्यमान हैं। शौर्य और रत्नों की धरती में कलाओं का संगम है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व धरोहर स्थल खजुराहो में शुक्रवार को प्रारंभ हुए शास्त्रीय नृत्यों के 7 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय नृत्य समारोह को आज वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आदि संस्कृति के साथ सनातन संस्कृति को जोड़ने की दिशा में आह्वान किया है। मध्यप्रदेश सरकार विविध कलाओं के विकास के लिये प्रतिबद्ध है। इसलिए मध्यप्रदेश के बजट में संस्कृति विभाग की गतिविधियों के लिये भी राशि में वृद्धि की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खजुराहो नृत्य समारोह में पधारे शीर्ष नृत्य कलाकारों और नृत्य शैलियों के प्रतिनिधियों का स्वागत भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खजुराहो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय धरोहर है। इस वर्ष 52वाँ खजुराहो नृत्य समारोह भगवान नटराज को समर्पित किया गया है, जिसके लिये संस्कृति विभाग बधाई का पात्र है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि खजुराहो नृत्य समारोह का आयोजन भारतीय शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध परंपरा को देव नटेश भगवान शिव से जोड़ने का यह अनूठा प्रयास है। मध्यप्रदेश में पधारने वाले कला साधक पुनः यहां आना चाहते हैं। शुभारंभ अवसर पर संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (राज्य मंत्री) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी और सांसद खजुराहो श्री वी.डी. शर्मा सहित अन्य उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने चार पुस्तकों का विमोचन भी किया। इन पुस्तकों में नटराज – भगवान शिव के नृत्य मुद्रा के करण, खजुराहो एवं नृत्य समारोह केंद्रित कॉफी टेबल बुक, बुंदेली – इतिहास, संस्कृति और गौरव, बुन्देलखण्ड – मध्यप्रदेश की अमूल्य विरासत सम्मिलित थी। उल्लेखनीय है कि संस्कृति विभाग एवं उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी द्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर, मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन – छतरपुर के सहयोग से सात दिवसीय प्रतिष्ठापूर्ण समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव, संस्कृति विभाग श्री शिवशेखर शुक्ला, संचालक संस्कृति श्री एन.पी. नामदेव, कलेक्टर छतरपुर श्री पार्थ जायसवाल एवं उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी के निदेशक श्री प्रकाश सिंह ठाकुर भी उपस्थित रहे। शुभारंभ दिवस पर पहली प्रस्तुति संगीत नाटक अकादमी अवॉर्डी सुश्री मैत्रेयी पहाड़ी एवं साथी, दिल्ली द्वारा कथक नृत्य की हुई। सुविख्यात नृत्यांगना एवं कोरियोग्राफर मैत्रेयी पहाड़ी ने "प्रतिष्ठा : शाश्वत तत्वों का आह्वान" नृत्यनाटिका की प्रस्तुति दी। यह आह्वान पंचतत्व – पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश – को समर्पित है, वही शक्तियाँ जो जीवन और सृष्टि को धारण करती हैं। मृदुल गतियों और भावपूर्ण अभिव्यक्ति के माध्यम से नर्तक–नृत्यांगनाएं इन शाश्वत तत्वों को साकार करते हैं, जो संतुलन, ऊर्जा और सामंजस्य का प्रतीक हैं। इस पवित्र आरंभ से यात्रा धीरे-धीरे भगवान कृष्ण की दिव्य उपस्थिति की ओर ले जाती है – धर्म, प्रेम और करुणा के शाश्वत पथप्रदर्शक, जो प्रत्येक तत्व और प्रत्येक हृदय में विद्यमान हैं।

नाबालिग को परीक्षा देने से रोका, ईंट भट्टे पर छापा

रायसेन में 3 परिवार बंधुआ मजदूरी से मुक्त कराए; 12 परिवार करते हैं काम

रायसेन। रायसेन में एक नाबालिग छात्र को परीक्षा देने से रोकने और बंधुआ मजदूरी की शिकायत के बाद प्रशासन हरकत में आया। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा को मिली लिखित शिकायत के आधार पर शुक्रवार को भोपाल रोड स्थित नीमखेड़ा के ग्राम केवटी में एक अवैध ईंट भट्टे पर छापा मारा गया। इस कार्रवाई में शिकायतकर्ता नाबालिग सहित तीन परिवारों को बंधुआ मजदूरी से मुक्त कराया गया।

राजस्व, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों की संयुक्त टीम ने देर रात तक यह कार्रवाई की। छापे के दौरान भट्टे पर करीब 12 परिवारों के 40 से 50 मजदूर काम करते मिले, जो सभी कर्ज के बोझ तले दबे थे। टीम ने सभी मजदूरों से पूछताछ की और उनके दस्तावेजों की जांच की। शिकायतकर्ता नाबालिग ने बताया कि ईंट भट्टा संचालक विजय कुमार गुप्ता ने उसे 8वीं कक्षा की परीक्षा में शामिल नहीं होने दिया।

भारतीय ज्ञान परंपरा से गढ़ा जाएगा विकसित भारत का भविष्य- उच्च शिक्षा मंत्री परमार

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर के प्रतिष्ठित मोहनलाल हरगोविंददास गृहविज्ञान एवं विज्ञान महिला महाविद्यालय में 'उल्लास अलंकरण एवं पुरस्कार समारोह' गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री इन्दर सिंह परमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलगुरु राजेश कुमार वर्मा ने की। इस अवसर पर विधायक अजय विश्नोई, डॉ. अभिलाष पांडे, भाजपा जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर विशिष्ट अतिथि के रूप में मंच पर आसीन रहे। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और वंदेमातरम् के सामूहिक गान के साथ हुआ। कार्यक्रम के दौरान विभागीय पत्रिका 'नर्मदा तत्वम्' का विमोचन किया गया, जो महाविद्यालय की शैक्षणिक और रचनात्मक उपलब्धियों को संजोए हुए है। मुख्य अतिथि मंत्री परमार ने अपने ओजस्वी संबोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति महत्ता व भारत की ज्ञान परम्परा के संबंध में प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत का ज्ञान दर्शन ही वह आधार था, जिसके कारण भारत विश्व का केंद्र और 'विश्व गुरु' कहलाता था। उन्होंने इतिहास की भ्रांतियों को दूर करते हुए कहा कि वास्को-डी-गामा ने भारत की खोज नहीं की, बल्कि भारत का समुद्री व्यापार और श्रेष्ठ जहाज पहले से ही पूरी दुनिया में विख्यात थे। मंत्री परमार ने कहा कि मध्यप्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में रिक्त पदों को भरने का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। इस साल 2000 से अधिक असिस्टेंट प्रोफेसर, खेल शिक्षक और लाइब्रेरियन की भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे छात्रों के भविष्य के लिए स्वयं को समर्पित करें ताकि भारत 2047 तक 'विकसित भारत' और दुनिया की नंबर एक अर्थव्यवस्था बन सके। उन्होंने छात्राओं से कहा कि गौरवशाली इतिहास और विरासत को लेते हुए सामर्थ के साथ काम करें और भारत को दुनिया का नंबर 1 देश बनाने में सहयोगी हों। इसके साथ ही उन्होंने शिक्षकों से भी कहा कि वे राष्ट्र कल्याण में अपनी अहम भूमिका का निर्वाहन करें। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि समस्या का समाधान करने वाले बने और आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़े। कार्यक्रम के दौरान विधायक अजय विश्नोई व डॉ. अभिलाष पांडे ने भी प्रेरणास्पद विचार दिये। समारोह के मुख्य आकर्षण का केंद्र पुरस्कार वितरण रहा, जहाँ विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पदक और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें समाज की समस्याओं का समाधान बनने की प्रेरणा दी।

24 फरवरी को कांग्रेस करेगी विधानसभा घेराव

मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी होंगे शामिल

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक शनिवार को संपन्न हुई। बैठक में भारत-अमेरिका व्यापार समझौता और मनरेगा में बदलाव के खिलाफ 24 फरवरी को होने वाले विधानसभा घेराव की योजना बनाई गई। बताया गया कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता देश के किसानों के लिए खतरा है, जबकि मनरेगा में बदलाव मजदूरों के हक पर हमला है। विधानसभा घेराव में मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी 24 फरवरी को शामिल होंगे। शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने कांग्रेस कार्यकताओं से अधिक से अधिक संख्या में विधानसभा घेराव में शामिल होने अपील की है। बैठक में शहर (जिला) कांग्रेस कमेटी के प्रभारी राजकुमार खुराना, पश्चिम विधानसभा प्रभारी यतेंद्र हीरा चौकसे, पूर्व विधानसभा प्रभारी अभिनव डिमोले एवं कैंट विधानसभा प्रभारी राकेश तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहें।

तन से अधिक अनिवार्य है मन और चरित्र की सुन्दरता : जगतगुरु नरसिंह देवाचार्य

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

दूषित विचारों का प्रभाव हमारे जीवन की शुचिता को उसी तरह सौंदर्य विहीन कर देता है जैसे कालिमा सफेद वस्त्र को। हमारे जीवन निर्माण में चरित्र की बहुत अहम भूमिका होती है। हमारे जितने स्वच्छ विचार होंगे निसंदेह उतना स्वच्छ हमारा जीवन भी होगा। बहुरंगी जीवन में दूषित विचार उस काले रंग के समान हैं जो उसके चारित्रिक सौंदर्य को नष्ट कर देता है। मलिन व अस्वच्छ आवरण से परहेज रखना अच्छा है पर दूषित आचरण से परहेज रखना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। श्रेष्ठ विचार ही श्रेष्ठ आचरण को जन्म देते हैं। जैसे हम वस्त्रों को स्वच्छ रखने का प्रयास करते हैं वैसे ही विचारों को स्वच्छ रखने के लिए भी सदैव प्रयासरत रहना चाहिए। क्योंकि तन से ज्यादा मन और चेहरे से ज्यादा चरित्र का पवित्र होना ही जीवन का चारित्रिक सौंदर्य परिलक्षित करता है। श्रीकृष्ण रूक्मिणी के विवाह प्रसंग पर उक्त उद्गार श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ के षष्ठम दिवस श्रीराम मंदिर खैरी शहपुरा भिटौनी में पूज्य श्रीमद जगदगुरू नृसिंह पीठाधीश्वर डॉ स्वामी नृसिंह देवाचार्य महाराज ने व्यास पीठ से कहे। व्यास पीठ पूजन - मुख्य यजमान सुभाष सिंह गौर एवं अशोक दास महाराज अनूप देव शास्त्री. रामजीशरण महराज कृपाल सिंह गौर, राजेश सिंह गौर, कृष्णपाल सिंह गोर . जयपाल सिंह गौर, अनूपाल सिंह गौर, शैलेन्द्र सिंह गौर, रोहित .विधायक नीरज सिंह. रमेश बसेड़िया .मुन्ना पांडे. एवं आचार्य रामफल शास्त्री की उपस्थिति रही।

भाजपा कार्यकर्ता सभी 1041 बूथों में सुनेंगे पीएम के मन की बात कार्यक्रम

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर के कार्यकर्त्ता शहर के सभी 1041 बूथों में आज प्रातः 11 बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनेंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने बताया कि ह्यह्यमन की बातह्यह्य कार्यक्रम मध्यप्रदेश के लोकनिर्माण मंत्री राकेश सिंह पश्चिम विधानसभा के बाबूराव परांजपे वार्ड में बूथ क्रमांक 276 के अंतर्गत रॉबिन जग्गी के निवास पर, भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, महापौर जगतबहादुर सिंह अन्नू पूर्व विधानसभा के अंतर्गत मुखर्जी मंडल के द्वारकानगर बूथ क्रमांक 180 में मंटू शर्मा के निवास पर, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन दीनदयाल मंडल में, विधायक अभिलाष पांडे विवेकानंद मंडल अंतर्गत सुभद्रकुमारी चौहान वार्ड के बूथ क्रमांक 198 में रवि पटेल के निवास पर महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी पराजपे भाजपा संभागीय कार्यालय रानीताल में कार्यकताओं के साथ सुनेंगे। भाजपा अध्यक्ष श्री सोनकर ने सभी पार्टी पदाधिकारीयों एवं कार्यकर्ताओ से अपने अपने बूथ पर आमजन के साथ प्रधानमंत्री के ह्यह्यमन की बातह्यह्य कार्यक्रम को सुनने की अपील की है।

मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना से आयुष के हृदय का हुआ सफल ऑपरेशन.

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना से सात वर्ष के आयुष कोल को नया जीवन मिला है। पनागर के ग्राम मोहनिया के निवासी प्रीतम कोल के पुत्र आयुष के हृदय की मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना से स्वीकृत राशि से 14 फरवरी को नारायणा हृदयालय मुम्बई में सफल सर्जरी की गई। आयुष जन्म से ही हृदय रोग से पीड़ित था। यह जानकारी बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करने मोहनिया पहुँची राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम को लगी। इसके बाद जिला अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सक से उसकी जांच कराई गई तथा मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना के तहत प्रकरण तैयार कर परिवारजनों की सहमति लेकर आयुष को नारायणा हृदयालय मुम्बई महाराष्ट्र रैफर किया गया।

शिविर में हुई बौद्धिक चर्चा

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शासकीय कन्या महाविद्यालय राँझी द्वारा ग्राम पंचायत घाना में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर के पांचवे दिन बौधिक चर्चा में डॉ स्वपना श्रीवास्तव ने स्वयं सेविकाओं को पोषण आहार एवं स्वास्थ्य रहने के दिशा निर्देश दिए। डॉ नीलमा रॉय ने पर्यावरण संरक्षण के बारे में बताया। डॉ अंकिता पाण्डे ने मेनेजमेण्ट के विषय में जागरूक किया। प्रतिभा पटैल ने मतदाता जागरूकता के विषय में बच्चों को बताया। स्वाती मिश्रा ने क्षेत्रीय भाषा के विषय में जानकारी दी। कार्यक्रम में उपस्थित पूजा सेन, रवि दुबे, सुरेन्द्र तिवारी, अनिल डहेलिया ने विशेष सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन एवं अभार राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रभारी डॉ माधुरी सिंह ने किया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत घाना की महिलाओं को मतदाता के विषय में जागरूक किया और मेंहदी लगाई।

एमपी ट्रांसको में ई-ऑफिस का सुचारु क्रियान्वयन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्यप्रदेश शासन की मंशानुसार मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) में ई-ऑफिस प्रणाली का सफल एवं सुचारु क्रियान्वयन किया गया है। इस व्यवस्था को पूरे प्रदेश में चरणबद्ध रूप से लागू किया गया है। इसके अंतर्गत मुख्यालय शक्ति भवन स्थित विभागों सहित प्रदेश के समस्त फील्ड एवं वृत कार्यालयों में विभागीय पत्राचार, नोटशीट तथा अन्य कार्यालयीन कार्य अब ई-ऑफिस के माध्यम से संचालित किए जा रहे हैं।

चरणबद्ध तरीके से हुआ लागू : एमपी ट्रांसको के आईटी हेड डॉ हिमांशु श्रीवास्तव ने बताया कि ई-ऑफिस प्रणाली का क्रियान्वयन कंपनी के आईटी-ईआरपी संकाय द्वारा योजनाबद्ध तरीके से विभिन्न चरणों में किया गया। प्रथम चरण में मुख्यालय शक्ति भवन, जबलपुर स्थित कार्यालयों में ई-ऑफिस के माध्यम से कार्य प्रारंभ किए गए। इसके पश्चात दूसरे चरण में प्रदेश के अन्य क्षेत्रीय एवं फील्ड कार्यालयों में भी इस प्रणाली को लागू किया गया। इसमें प्रोग्रामर नीलम मर्सकोले का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

निरंतर दिया जा रहा है प्रशिक्षण : ई-ऑफिस की कार्यप्रणाली को प्रभावी रूप से अपनाने के लिए अधिकारियों से लेकर संबंधित कर्मचारियों तक सभी को निरंतर प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। आई.टी.-ई.आर.पी. संकाय के प्रोग्रामर श्री प्रवीण शुक्ला द्वारा विभिन्न कार्यालयों में पहुंचकर ह्यटेबल-टू-टेबलङ्क एवं आनलाइन व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया है। साथ ही कर्मचारियों एवं अधिकारियों की शंकाओं का समाधान कर उन्हें तकनीकी रूप से दक्ष बनाया गया है। ई-ऑफिस प्रणाली के सफल संचालन के लिए मुख्यालय शक्ति भवन में एक समर्पित हेल्प डेस्क भी स्थापित की गई है, जिसमे नीलम मर्सकोले, प्रोग्रामर द्वारा आवश्यक तकनीकी सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है।

भविष्य में बड़े आंदोलन के लिए तैयार रहें : राष्ट्रीय अध्यक्ष कॉमरेड पाठक

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मीडिया प्रमुख उत्तम विश्वास से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को ऑल इंडिया डिफेंस एम्पलाइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कॉमरेड एसएन पाठक का रदअए & छढफ आयुध निमार्णी खमरिया में आगमन हुआ। जहां कामरेड जितेंद्र यादव के नेतृत्व में उनका स्वागत किया, साथ ही इस अवसर फेडरेशन के संगठन मंत्री कामरेड अरनव दास गुप्ता एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अमरीश सिंह उपस्थित रहे। श्री पाठक जी ने विस्तृत रूप से फेडरेशन के होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी और भविष्य में बड़े आंदोलन के लिए तैयार रहने के लिए कहा एवं कार्यक्रम के पश्चात कामरेड पाठक का लेबर यूनियन कार्यालय में भी जोरदार स्वागत किया गया एवं निमार्णी कर्मचारियों के साथ कामरेड पाठक रूबरू हुए। सभी कर्मचारियों को 8३ँ पे कमिशन कॉरपोरेटाइजेशन ङ्मस्त्र३ङ्मल्ल ाङ्म१२ अनुकंपा नियुक्ति डळ ल्फअ की पेमेंट जैसे विषयों पर फेडरेशन का रुख स्पष्ट किया एवं सभी कर्मचारियों को अस्वस्थ किया की ऑल इंडिया डिफेंस एम्पलाइज आखरी दम तक संघर्ष करेगा इस अवसर पर यूनियन के अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह महामंत्री सुकेश दुबे जेसीएम मेंबर सुरेश काना सिमेंद्र रजक कार्य समिति सोसाइटी जूनियर स्टाफ क्लब के सभी साथी उपस्थित रहे।

नृसिंह मन्दिर में आज विशाल निःशुल्क नेत्र शिविर

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

साकेतवासी परमपूज्य नृसिंह पीठाधीश्वर महंत रामचन्द्रदास शास्त्री की पुण्य स्मृति में 2005 से प्रारम्भ विशाल निःशुल्क नेत्र जांच एवं नेत्र प्रत्यारोपण शिविर, 22वें वर्ष मे आज प्रातः 9 से 2 बजे तक श्रीमद् जगतगुरु डॉ स्वामी श्याम देवाचार्य महाराज की सूक्ष्म उपस्थिति में नृसिंह मन्दिर में नृसिंह भगवान के परम सेवक अमेरिका निवासी ठाकुर हरकेश सिंह के सौजन्य से श्रीमद् जगतगुरु डॉ स्वामी नृसिंह देवाचार्य महाराज के संरक्षण और सानिध्य में होगा। शिविर में जनज्योति नेत्र चिकित्सालय के संचालक डॉ पवन स्थापक व उनकी टीम नेत्र जांच एवं प्रत्यारोपण की सेवा करेंगे। जिसमें सभी जांच के बाद ऑपरेशन के योग्य मरीजों का कैटरेक्ट का ऑपरेशन निःशुल्क किया जाएगा, साथ दावा, चश्मा भोजन प्रसाद आदि की सेवा की जाएगी। नेत्र रोगियों से निःशुल्क नेत्र शिविर का लाभ लेने का अनुरोध श्री सनातन धर्म महासभा नृसिंह मन्दिर गीताधाम परिवार ने किया है।

भाजयुमो ने किया कांग्रेस कार्यालय घेराव, राहुल गांधी का फूंका पुतला

अकसमिट में देश का नाम बदनाम करने अर्धनग्न होकर किए प्रदर्शन को बताया देशविरोधी और शर्मनाक कृत्य

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

भारतीय जनता युवा मोर्चा जबलपुर के द्वारा कांग्रेस के विरुद्ध जंगी प्रदर्शन किया गया। विगत दिवस दिल्ली की एआई इंपैक्ट समिट में कांग्रेस युवा इकाई द्वारा किए गए हंगामे के विरोध में बलदेवबाग स्थित कांग्रेस कार्यालय का घेराव किया गया एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया।

कांग्रेस कार्यालय तक प्रदर्शन रैली : भाजयुमो जबलपुर के द्वारा कांग्रेस कार्यालय तक प्रदर्शन रैली निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस के विरोध में नारेबाजी एवं प्रदर्शन किया गया भाजयुमो कार्यकताओं ने राहुल गांधी और कांग्रेस से देश का नाम बदनाम करने एवं ऐसे वैश्विक मंच पर किए शर्मनाक कृत्य के लिए माफी मांगने के लिए कहा। भाजयुमो नेताओं ने कांग्रेस के बेशर्मी भरे कृत्य की निंदा करते हुए राहुल गांधी को देशविरोधी ताकतों का चेहरा बताया एवं कांग्रेस की भूमिका को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि देश की इतनी बड़ी पार्टी का इस प्रकार का नैतिक पतन होना निश्चित ही दुखद है इसके लिए राहुल गांधी की नीति और विगत वर्षो में हर वैश्विक मंच पर देश विरोधी बयान एवं देश विरोधी ताकतों के समर्थन में खड़े रहना इसके लिए जिम्मेदार है।

कांग्रेस का मानसिक दिवालियापन: भाजयुमो नेताओं ने वैश्विक मंच पर किए गए इस शर्मनाक कृत्य को कांग्रेस का वैचारिक पतन के साथ साथ मानसिक दिवालियापन करार दिया एवं राहुल गांधी को नक्सलवाद के प्रतिबिंब के रूप में दशार्या। भाजयुमो ने कहा कि कांग्रेस अब इंडियन नेशनल कांग्रेस की जगह एंटीनेशन कांग्रेस बन चुकी है।

यह रहे उपस्थित : इस दौरान प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरीश ठाकुर, महामंत्री ईशान नायक, रौनक अग्रवाल, राहुल कपूर, शुभम अरिहंत, रविन्द्र तिवारी, गोपाल गुप्ता, अनिकेत रावत, शरद विश्वकर्मा, अंकित पाठक, दीपक मंगलानी, आयुष सिंह, रनेश खरे, हर्षित राय, समरजीत फौजकर, आकाश रजक, रिंकू श्रीवास, पीयूष समदरिया, मोंटी रैकवार, शिवा रैकवार, गौरव मांझी, संस्कार जैन, पर्व अग्रवाल, प्रक्षेत विश्वकर्मा, विनीत सोनी, अभिषेक तिवारी, भूपेंद्र यादव, आदि बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

न्यायिक कर्मचारियों ने कराया सर्वधर्म रोजा अफतार

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

रमजान मुबारक
चौथा रोजा 22 फरवरी इतवार
रोजा अफ़्तार, 6:16 बजे
सहरी कल सुबह, 5:09 बजे

आज रमजान मुबारक का चौथा रोजा है शहर में जगह-जगह अफ़्तार ए आम का एहतेमाम किया जा रहा है इसी कड़ी में मप्र हाईकोर्ट तथा सिविल कोर्ट में कार्यरत मुस्लिम कर्मचारियों के द्वारा 12वे वर्ष हाईकोर्ट के सामने स्थित कचहरी वाले बाबा दरगाह में सर्वधर्म रोजा अफतार का आयोजन किया गया। रोजा अफतार में सभी धर्म के लोगों ने भाग लिया। तदोपरांत मगरिब की सामूहिक नमाज अदा कर देश में अमन चैन शांति और तरक्की की दुआ की गई। इस अवसर पर न्यायिक कर्मी मिर्जा बाबर, इकबाल कमाल, हाजी मुईन खान, मंजूर अहमद, ताबिश खान, इरफान सिद्दीकी, मोहसिन कुरैशी, तजम्मुल हुसैन, मो. साबिर, मेहमूद अंसारी, कुदरत खान, मो. जरीफ आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इसी क्रम में उर्स सैय्यदा फातिमा जहरा सलामुल्लाह अलैह के मुबारक मौके पर हजरत सूफी सैय्यद गुल अशरफ की बाफैजे रूहानी में मुस्लिम बहुल क्षेत्र मंडी मदार टेकरी समीपस्थ अशरफ नगर में विशाल रोजे अफ्तार का एहतेमाम किया गया। साय मगरिब की अजान बुलंद होते ही हजारो लोगों ने एक साथ अफ्तार किया। रात्रि कुल शरीफ की फातिहा के साथ उर्स का समापन हुआ।

श्रीराम ने शबरी के झूठे बेर खाकर समरसता का दिया संदेश

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

आदिवासी सेवा कल्याण महासंघ के तत्वाधान मे नेहरू नगर आदिवासी बस्ती में माता शबरी के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर मां शबरी की जयंती मनाई गई। इस अवसर आदिवासी सेवा कल्याण महासंघ के अध्यक्ष शंकर लाल गोटिया ने कहा कि, माता प्रभू श्रीराम कि सच्ची भक्त थी, और उन्होंने वन में आश्रम बनाकर उनका वर्षों इंतजार किया। उनको विश्वास था कि एक दिन प्रभु श्री राम उनकी कुटिया में आएंगे और वह दिन आ गया, जब प्रभु श्री राम कुटिया पहुंचे। माता शबरी ने उनके लिए बेर बीन कर रखे थे। माता ने एक-एक बेर खाकर देखा, मीठे हैं कि नहीं। जब श्री राम कुटिया में पहुंचे तो उन्होंने तब श्री राम को बेर खिलाए। श्री राम ने त्रेता युग में शबरी के झूठे बेर खाकर सबसे पहले समरसता का संदेश दिया। श्री राम ने वनवासियों को गले लगा या और अपनाया। हमें श्री राम की भक्ति में हमेशा निष्ठा रखनी चाहिए.इस अवसर पर आदिवासी सेव कल्याण महासंघ के अध्यक्ष शंकरलाल गोटिया, राष्ट्रीय संरक्षक शैलेश सिंह लोधी, रीता गोटिया, सुनीता गोटिया, रुकमणी कोल, लता कोल, आनन्दीलाल खलीफा, ममता कोल, विनोद गोटिया, प्रकाश गोटिया, हेमंत ठाकुर, राजेन्द्र गोटिया, हिमसागर मरकाम, शक्ति कुलस्ते, आदि ने माता शबरी का पूजन किया।

संपादकीय

दुनिया में अब एआई अगला दशक तय करेगा भविष्य, अवसर भी, चेतावनी भी

हाल के दिनों में जब से एआइ के बढ़ते दायरे और इसके असर की बात होने लगी है, तब से इसे भविष्य में नौकरियों का सृजन करने का औजार भी बताया गया है। शिक्षा जगत से लेकर रक्षा और कारोबार के विभिन्न क्षेत्र में नए स्तर पर इसका प्रयोग हो रहा है। तेजी से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में दुनिया भर में अभी सबसे ज्यादा जोर आधुनिक तकनीकों के विकास और इस क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा नवाचार के प्रयोग पर दिया जा रहा है। सभी देश अपनी विकास नीतियों में अद्यतन तकनीकों को अपना रहे हैं और पारंपरिक तरीके से होने वाले बहुत सारे कामों का स्वरूप अब बदल रहा है। खासतौर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, यानी एआइ के फैलते दायरे ने वैश्विक स्तर पर कामकाज के तौर-तरीकों और उसमें इंसानी भूमिका पर व्यापक असर डाला है। इसे समय के साथ कदम मिला कर चलने और विकास के परिप्रेक्ष्य में जरूरी माना जा रहा है तथा सभी देश एआइ के सकारात्मक उपयोग को लेकर सक्रिय दिख रहे हैं। भारत की इसमें एक महत्त्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। गौरतलब है कि नई दिल्ली में सोमवार से पांच दिनों का एआइ शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया है, जिसमें कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष से लेकर एआइ कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शामिल होंगे। सम्मेलन का उद्देश्य एआइ के व्यापक तंत्र पर चर्चा के साथ-साथ आम लोगों की जिंदगी पर इसके सीधे असर और फायदों के बारे में जागरूकता फैलाना है। दरअसल, तकनीक के मामले में जितनी तेज रफ्तार से नवाचार का प्रयोग हुआ है, सभी जरूरी क्षेत्रों में एआइ का दायरा फैला है, उसमें इस पर चर्चा जरूरी हो जाती है कि इसकी संभावनाओं और उम्मीदों के साथ-साथ इससे जुड़ी आशंकाओं पर भी विचार हो। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि विकास के किसी स्वरूप से अंतिम तौर पर आम लोग प्रभावित होते हैं और कोई भी तकनीक इसी कसौटी पर देखी जाएगी कि उससे मनुष्य का कितना समग्र हित सुनिश्चित हो सका और दुनिया की ज्यादातर आबादी के लिए वह कितनी उपयोगी साबित हुई। हाल के दिनों में जब से एआइ के बढ़ते दायरे और इसके असर की बात होने लगी है, तब से इसे भविष्य में नौकरियों का सृजन करने का औजार भी बताया गया है। दूसरी ओर, एआइ के फैलते पांव के समांतर रोजगार पर इसके व्यापक प्रभाव और खतरों को लेकर आशंकाएं भी जताई गई हैं। दिल्ली के सम्मेलन में एक उद्देश्य एआइ से रोजगार, आम लोगों की जिंदगी पर पड़ने वाले असर और उसके खतरों को कम करने के लिए ठोस उपायों तथा प्रयासों पर भी चर्चा करना है। यह जगजाहिर है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दायरा कितने बड़े क्षेत्र में फैल चुका है। हाथ में मौजूद स्मार्टफोन अब केवल तस्वीरें संपादित करके सोशल मीडिया के मंचों पर सुर्खियां हासिल करने का जरिया भर नहीं है।

देश में लगभग एक करोड़ साठ लाख हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है। इसमें से करीब 65 फीसद भूमि की सिंचाई वर्षा पर आधारित है। भारतीय कृषि व्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले यूरिया उर्वरक को लेकर केंद्र सरकार के हालिया निर्णय ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के आदेश के तहत यूरिया की बोरी का वजन 50 किलो से घटा कर 40 किलोग्राम कर दिया गया है। इसके साथ ही यूरिया में नाइट्रोजन की मात्रा भी 46 से घटा कर 36 फीसद कर दी गई है। सरकार इसे सुधारात्मक कदम के रूप में पेश कर रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि इस निर्णय ने किसानों की लागत बढ़ा दी है और कृषि उत्पादन तथा देश की खाद्य सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। यूरिया खेती में सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाला नाइट्रोजन उर्वरक है। गेहूं, धान और मक्का जैसी उच्च उत्पादकता वाली फसलों की उपज काफी हद तक नाइट्रोजन की उपलब्धता पर निर्भर करती है। यह पौधों की बढ़वार, पत्तियों के विकास और दाने भरने की प्रक्रिया के लिए अनिवार्य तत्त्व है।

यूरिया नीति में बदलाव, बढ़ती लागत, घटती पैदावार और खाद्य सुरक्षा पर संकट, क्या फैसला देश की परीक्षा है

ऐसे में यूरिया के स्वरूप में किया गया कोई भी बदलाव सीधे तौर पर फसलों की पैदावार, किसानों की आय और अंतत: उपभोक्ताओं की खाद्य सुरक्षा को प्रभावित करता है। सरकार के नए फैसले के बाद यूरिया की एक बोरी में उपलब्ध नाइट्रोजन की मात्रा में भारी गिरावट आई है। पहले 50 किलो की बोरी में 46 फीसद नाइट्रोजन के हिसाब से लगभग 23 किलो नाइट्रोजन उपलब्ध होती थी। अब 40 किलो की बोरी में 36 फीसद नाइट्रोजन के साथ यह मात्रा घट कर केवल 14.4 किलो रह गई है।

इसका सीधा अर्थ यह है कि किसान को उतनी ही नाइट्रोजन प्राप्त करने के लिए पहले की तुलना में कहीं अधिक यूरिया खरीदना पड़ेगा। अगर मौजूदा 270 रुपए प्रति बोरी की कीमत को आधार बनाया जाए, तो तस्वीर और स्पष्ट हो जाती है। पहले जहां किसानों को प्रति हेक्टेयर नाइट्रोजन की जरूरत पूरी करने के लिए लगभग साढ़े सत्रह सौ रुपए खर्च करने पड़ते थे, अब वही जरूरत पूरी करने के लिए 2835 रुपए खर्च करने होंगे। यानी बिना दाम बढ़ाए ही किसानों पर करीब 37 फीसद अतिरिक्त बोझ डाल दिया गया है। यह बोझ खासकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए बेहद मुश्किल भरा साबित हो सकता है।

देश में लगभग एक करोड़ साठ लाख हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है। इसमें से करीब 65 फीसद भूमि की सिंचाई वर्षा पर आधारित है। यहां दलहन, तिलहन और बागवानी जैसी फसलें उगाई जाती हैं। इन फसलों में यूरिया की खपत अपेक्षाकृत कम होती है और कई मामलों में एक टन प्रति हेक्टेयर से भी कम रहती है।

लेकिन शेष लगभग पचास लाख हेक्टेयर सिंचित भूमि पर गेहूं और धान जैसी उच्च उत्पादकता वाली फसलें ली जाती हैं, जिनके लिए नाइट्रोजन की भारी मात्रा की आवश्यकता होती है। मौजूदा कृषि सिफारिशों के अनुसार गेहूं और धान जैसी फसलों के लिए प्रति हेक्टेयर सालाना लगभग तीन सौ किलो नाइट्रोजन की जरूरत होती है।

जबकि 46 फीसद नाइट्रोजन वाले यूरिया के हिसाब से यह आवश्यकता लगभग 620 किलो यूरिया से पूरी हो जाती थी। इसी आधार पर देश के सिंचित क्षेत्रों के लिए सालाना करीब तीन करोड़ बीस लाख मीट्रिक टन यूरिया की जरूरत आंकी जाती है।

जब कुल खपत चार करोड़ मीट्रिक टन से अधिक है, तो सवाल उठता है कि बाकी यूरिया कहां जा रहा है? इस सवाल का जवाब देश में लंबे समय से चले आ रहे यूरिया के दुरुपयोग में छिपा है।

यह किसी से छिपा नहीं है कि सबसिडी वाले यूरिया का एक बड़ा हिस्सा कृषि के बजाय औद्योगिक उपयोग में चला जाता है। अनुमान है कि कुल

सबसिडी वाले यूरिया का लगभग एक-तिहाई, यानी एक करोड़ मीट्रिक टन से अधिक फैक्टरियों में खप जाता है।

केंद्रीय बजट 2022-23 में यूरिया में सबसिडी के लिए एक लाख 32 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था। यह राशि निश्चित रूप से सरकारी खजाने पर भारी बोझ डालती है। मगर सवाल यह है कि इस बोझ को कम करने की कीमत किसान क्यों चुकाए।

यदि आपूर्ति शृंखला की पारदर्शिता सुनिश्चित की जाती, तो सबसिडी का बड़ा हिस्सा बचाया जा सकता था। इसके बजाय सरकार ने ऐसा कदम उठाया है, जिससे ईमानदार किसान ही सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है।

इस नीति का एक और गंभीर पहलू है यूरिया की उपलब्धता और आपूर्ति संकट। पहले ही देश के कई हिस्सों में किसान बुआई के समय घंटों लंबी कतारों में लग कर यूरिया खरीदने को मजबूर हैं। कई बार समय पर पूरी मात्रा नहीं मिल पाती। इससे खाद डालने का सही समय निकल जाता है।

अब जब प्रति हेक्टेयर जरूरत पूरी करने के लिए अधिक बोरियां खरीदनी पड़ेंगी, तो यह संकट और गहराने की आशंका है। इसका सीधा असर फसलों के विकास और अंतत: पैदावार पर पड़ेगा।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के अनुसार गेहूं, धान और मक्का जैसी फसलों की पूरी पैदावार के लिए प्रति हेक्टेयर 120 से 150 किलो नाइट्रोजन की जरूरत होती है। पहले किसानों को यह मात्रा प्राप्त करने के लिए 50 किलो वाले यूरिया की लगभग सात बोरियां डालनी पड़ती थी।

अब वही मात्रा पाने के लिए उसे दस से ग्यारह बोरी यूरिया की जरूरत होगी। इससे न केवल लागत बढ़ेगी, बल्कि मिट्टी के संतुलन और पर्यावरण पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा।

यह संकट केवल किसानों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध देश की खाद्य सुरक्षा से भी है। पिछले तीन वर्षों में गेहूं के निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद सरकारी खरीद अपने लक्ष्य से काफी पीछे रही है।

यह स्थिति तब है, जब सरकार पैदावार के बड़े-बड़े दावे करती रही है। इस विरोधाभास से संकेत मिलता है कि देश में गेहूं का वास्तविक उत्पादन और घरेलू खपत लगभग बराबर स्तर पर पहुंच चुकी है। ऐसे में यदि यूरिया की कमी या महंगाई के कारण पैदावार में गिरावट आती है, तो देश को अनाज आयात पर निर्भर होना पड़ सकता है।

खाद्य सुरक्षा किसी भी देश की संप्रभुता और सामाजिक स्थिरता का आधार होती है। भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश में अनाज उत्पादन में थोड़ी-सी भी कमी व्यापक प्रभाव डाल सकती है। महंगाई, सार्वजनिक वितरण प्रणाली पर दबाव और ग्रामीण असंतोष इसके संभावित परिणाम हो सकते हैं।

इसलिए यूरिया जैसी बुनियादी कृषि सामग्री को लेकर तय की गई किसी भी नीति का मूल्यांकन केवल बजट संतुलन के नजरिए से नहीं किया जाना चाहिए। समाधान के रास्ते मौजूद हैं, बशर्ते नीति-निर्माण में इच्छाशक्ति और व्यावहारिक दृष्टिकोण हो। सबसे पहले यूरिया के औद्योगिक दुरुपयोग पर सख्ती से रोक लगानी होगी। किसानों के लिए उपलब्ध यूरिया की गुणवत्ता और मात्रा से समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

नीतियां जमीनी वास्तविकताओं और वैज्ञानिक सिफारिशों के अनुरूप होनी चाहिए, न कि केवल कागजी आंकड़ों पर। यह समझना होगा कि किसान, कृषि और खाद्य सुरक्षा एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं।

इनमें से किसी एक को कमजोर कर बाकी दो को सुरक्षित नहीं रखा जा सकता। कृषि केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता और खाद्य सुरक्षा का आधार भी है। ऐसे में कोई भी प्रयोग दूरगामी परिणाम लेकर आता है। यदि किसान लागत बढ़ने या उपलब्धता की कमी के कारण आवश्यक मात्रा में यूरिया नहीं डाल पाता, तो उपज में गिरावट तय है। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

दान का सुख, बेईमानी की बेड़ियां और जीवन का सच, स्वर्ग-नरक यहीं बसते हैं

कुछ लोग कहते हैं कि स्वर्ग-नरक सब यहीं है। अच्छे काम करना और सुखमय जीवन जीना स्वर्ग से कम नहीं है। ईश्वर को किसी ने नहीं देखा। पुनर्जन्म होता या नहीं, इसके बारे में भी कहा नहीं जा सकता, लेकिन एक डर लोगों के मन में बैठा रहता है। हमेशा बैठाया भी जाता है कि अच्छे काम करोगे, तो अगले जन्म में मनुष्य बनकर पैदा होगे और बुरे काम करोगे तो तरह-तरह के पशुओं में तुम्हारा जन्म होता रहेगा। चौरासी लाख योनियों में भटकने की बात धर्मग्रंथ करते हैं। व्यक्ति के मन में भय इसलिए पैदा किया जाता है कि वह नैतिक दृष्टि से ठीक-ठाक रहे। उसके अंदर मानवता, करुणा, सच्चाई, ईमानदारी जिंदा रहे। जिस समाज में ऐसे सज्जनों की बहुलता रहती है, वह समाज खुशहाल रहता है। इसलिए सदियों से हमारे धर्मग्रंथों और ऋषि-मुनियों ने मनुष्यों में सदाचरण पर जोर दिया और उस सदाचरण को बरकरार रखने के लिए उन्होंने स्वर्ग-नरक की कथाएं भी रचीं।

सच्चाई यह है कि इस स्वर्ग-नरक को किसी ने देखा नहीं है, लेकिन धर्मभीरू समाज के मन में यह बात बिठा दी गई है कि ईश्वर हमें देख रहा हैज हमारे हर गलत सही काम पर उसकी नजर है। इस भय से ही आम इंसान जीवन में गलत काम करने से बचता है। यह सिर्फ एक कल्पना है और एक तरह से मनुष्य को सन्मार्ग दिखाने, उस पर चलाने की एक उत्तम प्रविधि है। जैसे आजकल बहुत सारे अपराध सिर्फ इसलिए नहीं होते कि जगह-जगह खुफिया कैमरे लगे होते हैं और किसी दीवार पर एक पंक्ति लिखी होती है कि 'आप कैमरे की निगाह में हैं।' पहले लोगों से कहा जाता था कि आप ईश्वर की निगाह में हैं। उस चेतावनी को बहुत कम लोग मानते थे, लेकिन इस भौतिक चेतावनी को लोग गंभीरता से मानते हैं और गलत काम करने से बचते भी हैं। ज्यादा दुस्साहसी अपराधी पहले खुफिया कैमरे को तोड़ भी देते हैं।

कुछ लोग कहते हैं कि स्वर्ग-नरक सब यहीं है। अच्छे काम करना और सुखमय जीवन जीना स्वर्ग से कम नहीं है। और बुरे काम करके उसका कुपरिणाम भोगना नरक है। यह सभी महसूस भी करते हैं। अपने सामने ऐसा घटित होते देखते भी हैं। न जाने कितने अरबपति व्यापारी, भ्रष्ट नेता या घोटालेबाज अफसर बेईमानी की कमाई करने के बाद एक दिन जब गिरफ्तार होकर जेल भेज दिए जाते हैं, तो लोग यही कहते हैं कि देखो, उन्हें अपने किए का फल मिल गया। कल तक वे स्वर्ग भोग रहा थे, आज नरक भोग रहे हैं।

दूसरी तरफ स्वर्ग वे भोग रहे होते हैं, जो संतोषी हैं और सुखी हैं। लोग जब दान-पुण्य करते हैं, तो उनके अंतर्मन में एक सुखानुभूति होती है। यह सुखद अनुभूति किसी स्वर्ग से कम नहीं है। उदार मन का धनी व्यक्ति ज्यादा से ज्यादा दान करता है, तो उसकी ख्याति बढ़ती जाती है। तब उसके मन को जो परमानंद मिलता है, दरअसल वही स्वर्ग है।

जो व्यक्ति जितना सुखी है या पूरी तरह से स्वस्थ है, तो वह जीवन में एक तरह से वास्तविक स्वर्ग का जीवन जी रहा है। अगर उसके जीवन में ईर्ष्या, द्वेष, षड्यंत्र आदि दुर्गुण भरे हुए हैं, तो उसका जीवन अपने आप में नरक है। वह कुंठित होकर अनेक बीमारियों से ग्रस्त हो जाता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि वह अपने नारकीय जीवन को पहचान नहीं पाता। वह अपनी धूर्त मानसिकता और हल्केपन को अपनी चालाकी समझता है और हर घड़ी दूसरे के अहित को अपनी उपलब्धि मानकर प्रसन्न रहता है।

जिस दिन ऐसे लोग आत्म-मंथन करते हुए यह विचार करने लगेंगे कि 'परहित सरिस धर्म नहीं भाई, परपीड़ा सम नहीं अधमाई', तो वे अपना रास्ता बदल सकते हैं। वे अपने हृदय को निर्मल कर लें, उदार कर लें और यह सोचने लगें कि सभी सुखी रहें, सभी निरोगी रहें, सभी का कल्याण हो, तो फिर उनके जीवन में एक सकारात्मक बदलाव आ जाएगा। धर्म-कर्म के पथ पर चलने वाले सच्चे लोग इसीलिए भीड़ में भी अलग दिखाई देते हैं।

धर्म-कर्म पर चलने का अर्थ यह नहीं कि लोग कट्टर हो जाएं और अपने-अपने धर्म के लिए आपस में भिड़ जाएं। अनेक लोग जीवन की सार्थकता लोक कल्याण के कार्य को ही समझते हैं। यही सच्ची धार्मिकता है। सोशल मीडिया के दौर में हम सब अनेक ऐसे वीडियो देखते हैं, जिसमें कोई पुलिसवाला किसी गरीब की मदद कर रहा है, उसे खाना खिला रहा है, कोई अमीर व्यक्ति फटेहाल बच्चों को अच्छे कपड़े पहना रहा है, कोई किसी की झोंपड़ी को पक्का करवा रहा है।

क्या एआई के क्षेत्र में दुनिया को पछाड़ पाएगा भारत?

भारत ने पहले भी तकनीकी मोड़ पर सही फैसले लेकर इतिहास बदला है। नब्बे के दशक में सूचना तकनीक और सॉफ्टवेयर सेवाओं पर जोर देने से लाखों रोजगार बने, भारतीय कंपनियां दुनिया भर में छा गईं और देश को नई पहचान मिली। आज एक वैसा ही मोड़ फिर सामने है, लेकिन इस बार दांव कहीं बड़ा है। दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित हो रहे वैश्विक एआई सम्मेलन में दो दिन से चल रहे विचार मंथन से एक बात उभर कर आई है कि एआई के समक्ष खड़ी चुनौतियों के हल के लिए दुनिया भारत की ओर निहार रही है।

देखना होगा कि सम्मेलन के अंत में दिल्ली डिक्लेरेशन से क्या निकल कर आता है। लेकिन यहां एक ओर बात की आवश्यकता महसूस हुई कि भारत को यदि इस क्षेत्र में नेतृत्व हासिल करना है तो बड़े निवेश और सरल तथा प्रभावी नीतियों की भी जरूरत है। देखा जाए तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई अब केवल नई तकनीक का आकर्षण नहीं रही, बल्कि यह अर्थव्यवस्था, उद्योग, ऊर्जा, नीति और वैश्विक शक्ति संतुलन का केंद्र बन चुकी है। दुनिया के बड़े देश इसे रणनीतिक साधन की तरह देख रहे हैं। डाटा, कंप्यूटिंग शक्ति और उन्नत चिप आज के दौर का नया तेल बन चुके हैं। ऐसे समय में भारत के सामने मूल प्रश्न यह है कि वह एआई की दौड़ में केवल उपभोक्ता बन कर रहेगा या निर्माता और नेता की भूमिका निभाएगा।

भारत ने पहले भी तकनीकी मोड़ पर सही फैसले लेकर इतिहास बदला है। नब्बे के दशक में सूचना तकनीक और सॉफ्टवेयर सेवाओं पर जोर देने से लाखों रोजगार बने, भारतीय कंपनियां दुनिया भर में छा गईं और देश को नई पहचान मिली। आज एक वैसा ही मोड़ फिर सामने है, लेकिन इस बार दांव कहीं बड़ा है। एआई न केवल सेवाओं को, बल्कि कारखानों, आपूर्ति श्रृंखलाओं, दवा उद्योग, परिवहन और ऊर्जा व्यवस्था तक को बदल सकती है।

यह समझना जरूरी है कि एआई एक ही तरह की चीज नहीं है। उपभोक्ता एआई, जैसे चैट टूल या मनोरंजन आधारित अनुप्रयोग, तेजी से लोकप्रिय होते हैं, पर इन पर अक्सर कुछ ही बड़ी कंपनियों का दबदबा हो जाता है। इसके विपरीत औद्योगिक एआई हर क्षेत्र के लिए अलग समाधान मांगती है। हर उद्योग का अपना डाटा, अपनी समस्या और अपना कामकाज होता है। इसलिए क्षेत्र विशेष मॉडल बनते हैं। यही भारत की ताकत बन सकती है, क्योंकि यहां उद्योगों की विविधता और पैमाना दोनों मौजूद हैं।

उदाहरण के लिए दो पहिया वाहन उद्योग को लें। भारत दुनिया के सबसे बड़े दो पहिया बाजारों में है। यह क्षेत्र रोजगार, शहरीकरण और आय वृद्धि से जुड़ा है। अब इलेक्ट्रिक दो पहिया का चलन भी बढ़ रहा है। ऐसे में एआई आधारित मांग अनुमान, डिजाइन सुधार, गुणवत्ता जांच और आपूर्ति प्रबंधन से भारी लाभ हो सकता है। मशीन लर्निंग सिस्टम खराबी का पहले ही संकेत दे सकते हैं। इससे ठहराव घटता है, लागत कम होती है और उत्पादन तेज होता है।

दवा उद्योग में भी अवसर विशाल हैं। भारत जेनेरिक दवाओं का बड़ा उत्पादक है, पर गुणवत्ता बनाए रखना चुनौती रहता है। एआई आधारित विजन सिस्टम उत्पादन के दौरान सूक्ष्म दोष पकड़ सकते हैं। डाटा विश्लेषण से प्रक्रिया स्थिर रखी जा सकती है। रोबोटिक ऑटोमेशन दोहराव वाले काम सुरक्षित और सटीक तरीके से कर सकता है।

इससे भारत की विश्वसनीयता बढ़ेगी और ऊंचे मूल्य वाले बाजार खुलेंगे।

लेकिन एआई की ताकत केवल सॉफ्टवेयर से नहीं आती, इसके लिए भारी कंप्यूटिंग शक्ति चाहिए, जो उन्नत चिप यानी जीपीयू से मिलती है। ये चिप बहुत महंगी होती हैं। एक उन्नत जीपीयू की कीमत लाखों रुपये तक जा सकती है। भारत ने हजारों जीपीयू लगाए हैं और डाटा केंद्र तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले वर्ष डाटा केंद्रों ने बिजली ग्रिड से भारी मात्रा में बिजली ली, जो किसी बड़े शहर की मांग के बराबर बैठती है। आने वाले वर्षों में यह मांग कई गुना बढ़ सकती है। यह भारत की बढ़ती डिजिटल क्षमता का संकेत है, पर साथ ही ऊर्जा चुनौती का भी। अगर भारत को एआई में अग्रणी बनना है तो केवल कुछ हजार जीपीयू काफी नहीं होंगे। अमेरिका आज भी इस क्षेत्र में आगे है। उसके पास विशाल डाटा केंद्र क्षमता है और वह उन्नत जीपीयू की आपूर्ति पर नियंत्रण रखता है। इसी कारण वह तकनीकी बढ़त बनाए हुए है। चीन को रोकने की रणनीति में भी चिप आपूर्ति अहम रही है। चीन ने भी इस दौड़ को बहुत पहले समझ लिया था। उसने चिप निर्माण में भारी निवेश किया। उसकी बड़ी तकनीकी कंपनियां अपने एआई चिप बना रही हैं। भले वे अभी सबसे उन्नत स्तर पर न हों, पर तेजी से आगे बढ़ रही हैं। अमेरिका में भी बड़ी तकनीकी कंपनियां खुद चिप डिजाइन में उतर चुकी हैं। ऐसे माहौल में यदि भारत केवल पुराने स्तर की चिप बनाता रह गया तो वह पीछे छूट सकता है। तो क्या समाधान है? क्या हमें अपनी आकांक्षा घटा लेनी चाहिए? कुछ लोग कहते हैं कि भारत की प्रति व्यक्ति बिजली खपत अभी विकसित देशों से कम है। जैसे जैसे लोग समृद्ध होंगे, उन्हें घरों में अधिक बिजली चाहिए होगी। अगर एआई के कारण बिजली महंगी हुई तो जीवन स्तर प्रभावित हो सकता है। यह चिंता सही है, पर इसका मतलब यह नहीं कि हम पीछे हट जाएं। दरअसल जरूरत बड़े सोच की है। भारत को एक साथ दो मोर्चों पर काम करना होगा। पहला, घरेलू चिप निर्माण और डिजाइन को बढ़ावा देना। इसके लिए नीति समर्थन, निवेश और कौशल विकास जरूरी है। दूसरा, ऊर्जा ढांचा मजबूत करना। नवीकरणीय ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा, बेहतर ग्रिड और भंडारण तकनीक पर जोर देना होगा ताकि डाटा केंद्रों की मांग पूरी हो सके। इसके साथ ही एआई का लाभ केवल बड़ी कंपनियों तक सीमित न रहे। मध्यम और छोटे उद्योगों तक भी पहुंचे। इसके लिए साझा प्लेटफॉर्म, क्लाउड ढांचा और क्षेत्र विशेष समाधान जरूरी हैं। सरकार, उद्योग और शिक्षण संस्थानों को मिल कर काम करना होगा। शोध संस्थान मॉडल विकसित करें, उद्योग वास्तविक समस्याएं और डाटा दें, और सरकार नियम, प्रोत्साहन तथा अवसंरचना दे। भारत को ऐसे नेतृत्व की भी जरूरत है जो अलग अलग पक्षों को जोड़ सके और भरोसा बना सके। एआई को नौकरी छीनने वाली नहीं, बल्कि नई क्षमता देने वाली तकनीक के रूप में समझाना होगा। कौशल प्रशिक्षण, पुन:-प्रशिक्षण और शिक्षा सुधार पर जोर देना होगा। बहरहाल, अब सवाल यह है कि एआई की दिशा कौन तय करेगा? अगर भारत ने समय रहते साहसिक फैसले लिए, चिप निर्माण, ऊर्जा ढांचा और औद्योगिक एआई पर जोर दिया, तो वह केवल तकनीक का बाजार नहीं रहेगा, बल्कि दिशा देने वाला देश बन सकता है। आईटी क्रांति ने भारत को विश्व मंच पर जगह दी थी। एआई और उन्नत कंप्यूटिंग भारत को आर्थिक शक्ति और तकनीकी आत्मनिर्भरता के नए दौर में पहुंचा सकती है। अवसर हमारे सामने है। अब निर्णय और क्रियान्वयन हमारी जिम्मेदारी है।

मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के न्यायाधीशगण के लिए 40 घंटे का मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

भारतीय न्यायिक व्यवस्था में विवादों एवं प्रकरणों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण में मध्यस्थता के बढ़ते महत्व एवं उपयोगिता को दृष्टिगत रखते हुए समय-समय पर न्यायिक अधिकारियों हेतु मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। मुख्य न्यायाधिपति मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर एवं मुख्य संरक्षक मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायमूर्ति श्री संजीव सचदेवा की प्रेरणा एवं प्रशासनिक न्यायाधिपति तथा कार्यपालक अध्यक्ष मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर न्यायमूर्ति श्री विवेक रूसिया के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा 21 फरवरी को स्पोर्टस क्लब, जबलपुर में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आए न्यायिक अधिकारियों हेतु मीडिएशन कंसीलिएशन प्रोजेक्ट कमेटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 40 घंटे का मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर श्री कृष्णमूर्ति मिश्र ने कहा कि मध्यस्थता विवादों के निपटारे की एक अत्यंत लोकप्रिय एवं प्रभावी विधा है। मध्यस्थता प्रशिक्षण न्यायिक अधिकारियों को विवादों के समाधान हेतु एक विशेष दृष्टिकोण प्रदान करता है, जिससे वे जटिल मामलों का भी सौहार्दपूर्ण तरीके से निराकरण कर सकते हैं। सुश्री सुमन श्रीवास्तव, सदस्य सचिव, मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर ने उपस्थित प्रशिक्षार्थी न्यायिक अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि उनके व्यक्तिगत अनुभव के अनुसार मध्यस्थता प्रशिक्षण के उपरांत प्रशिक्षित व्यक्ति एक नए दृष्टिकोण के साथ कार्य करता है। ऐसा व्यक्ति विवाद समाधान में विशेषज्ञता प्राप्त कर लेता है, जिससे पक्षकारों को सुमधुर संबंधों के साथ न्याय प्राप्त होता है तथा प्रकरण का अंतिम रूप से निराकरण हो जाता है। सीनियर मीडिएशन ट्रेनर सुश्री अनुजा सक्सेना ने अपने संक्षिप्त संबोधन में कहा कि कुछ क्षमताएँ प्रशिक्षण एवं शिक्षा से सीखी जा सकती हैं, जबकि कुछ जन्मजात होती हैं। मध्यस्थता एक कौशल-आधारित विधा है, जिसमें निरंतर अभ्यास से महारत प्राप्त की जा सकती है। एमसीपीसी ट्रेनर सुश्री सुमन शर्मा ने उपस्थित न्यायिक अधिकारियों से कहा कि आज से आगामी चार दिनों तक मध्यस्थता प्रक्रिया की बारीकियों को सीखा जाएगा, जो जीवन पर्यंत उनके कार्य में उपयोगी सिद्ध होंगी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर श्रीमती शक्ति वर्मा ने कहा कि मध्यस्थता समय की आवश्यकता है। शीघ्र, सस्ता एवं सुलभ न्याय प्रदान करने में मध्यस्थता एक प्रभावी वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणाली के रूप में सर्वाधिक लोकप्रिय विधा के रूप में स्थापित हो चुकी है। इस अवसर पर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के अतिरिक्त सचिव श्री अरविंद श्रीवास्तव, उप सचिव श्री अनिरुद्ध जैन तथा राज्य व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूरा करने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्णः कैबिनेट मंत्री परमार

मानकुंवर बाई महिला महाविद्यालय के वार्षिक स्नेह सम्मेलन 'उमंग' में शामिल हुए मंत्री परमार

त्रिपुरी टाइम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

प्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार के मुख्य आतिथ्य में आज शासकीय मानकुंवर बाई कला एवं वाणिज्य महिला महाविद्यालय के वार्षिक स्नेह सम्मेलन 'उमंग', अलंकरण एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में क्षेत्रीय विधायक डॉ. अभिलाष पांडे ने मंत्री परमार का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया और उन्हें अंगवस्त्र से सम्मानित किया। इसके पश्चात अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मंत्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से भारत अपनी खोई हुई ज्ञान परंपरा को पुनः स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत भारत की गौरवशाली शिक्षा पद्धति और गुरुकुलों को समाप्त कर हमें हीन भावना से भरने का प्रयास किया था। परमार ने जोर देकर कहा कि भारत कभी गरीब या अशिक्षित देश नहीं था, बल्कि विदेशी आक्रांताओं ने हमारी संपदा और ज्ञान को लूटने का काम किया। मंत्री परमार ने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक भारत दुनिया की नंबर-1 अर्थव्यवस्था बनेगा। उन्होंने छात्राओं का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षा केवल स्वयं के लिए नहीं, बल्कि देश के लिए होनी चाहिए। विधायक अभिलाष पांडे ने विधानसभा सत्र से सीधे कार्यक्रम में पहुँचने का उल्लेख करते हुए छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने महाविद्यालय की ऐतिहासिकता का उल्लेख करते हुए मंत्री परमार के समक्ष परिसर में ई-स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, स्मार्ट क्लासेस और कंप्यूटर लैब जैसी सुविधाओं के विस्तार की माँग रखी। विधायक की माँगों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री परमार ने कहा कि महाविद्यालय के उन्नयन के लिए सरकार किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने देगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि छात्राओं की सुविधा के लिए आवश्यक संसाधनों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक अभिलाष पांडे ने की। इस अवसर पर रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश कुमार वर्मा, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, श्रीमती अश्विनी परांजपे सहित अन्य गणमान्य नागरिक और छात्राएं उपस्थित रहीं।

आरोग्यधाम में कटे-फटें होंठ, तालू एवं बर्न केसों की हो रही निःशुल्क प्लास्टिक सर्जरी

चित्रकूट। कटे-फटे होठ, तालू एवं हाइपोस्पेडिया की सर्जरी की सुविधा के साथ दीनदयाल शोध संस्थान के आरोग्यधाम परिसर में दन्त चिकित्सा इकाई द्वारा सेवा यूके के सहयोग से शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे कटे-फटें होंठ, तालू, हाइपोस्पेडिया एवं बर्न केसों की प्लास्टिक सर्जरी हो रही है। जिन मरीजों का पंजीयन हुआ है उन सभी का परामर्श के बाद शिविर में निशुल्क सर्जरी की जा रही है। दीनदयाल शोध संस्थान की अपील पर उत्तरप्रदेश एवं मध्यप्रदेश के आसपास के 101 ग्रामीणों ने पीड़ित बच्चों एवं युवाओं का परामर्श व उपचार के लिए आरोग्य धाम में पंजीयन कराया, जिसमें से अभी 21 मरीजों को चिकित्सा सेवा प्रदान की जा रही है। आरोग्यधाम दंत चिकित्सा विभाग के प्रभारी डॉ वरुण गुप्ता ने बताया कि आरोग्यधाम के दन्त चिकित्सा विभाग द्वारा वरिष्ठ सर्जनों की टीम के सहयोग से इस वर्ष भी 19 फरवरी से 23 फरवरी तक विशाल प्लास्टिक सर्जरी शिविर आयोजित किया गया है। इस शिविर में कटे-फटें होंठ, तालू, बर्न एवं हाइपोस्पेडिया के मरीजों की प्लास्टिक सर्जरी वरिष्ठ प्लास्टिक सर्जनों एवं उनकी टीम के द्वारा की जा रही है। मरीजों के लिए पंजीयन से लेकर संपूर्ण उपचार एवं डिस्चार्ज तक सारी व्यवस्थाएं पूर्णतः निशुल्क प्रदान की गई हैं। शिविर में गरीब परिवारों के लिए होने वाली प्लास्टिक सर्जरी जीवन बदलने वाली साबित होती है और उन्हें बिना किसी भेदभाव व संकोच के सामान्य समाज में एकीकृत होने का अवसर देती है।

छपारा जनपद के शासकीय प्राथमिक शाला करेली का मामला

शासकीय स्कूल के बच्चों को शिक्षक ने लाठी से बेरहमी से पीटा

सिवनी। जिले के छपारा विकासखंड से शिक्षक द्वारा स्कूल के छोटे छोटे बच्चों को लाठी से मारपीट का मामला प्रकाश में आया है। ज्ञात हो कि जनपद क्षेत्र के केरली ग्राम के एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला अंतर्गत प्राथमिक शाला में पदस्थ एक शिक्षक द्वारा कक्षा 5वीं के मासूम छात्रों के साथ लाठी से मारपीट करने का गंभीर आरोप लगा है। बताया जाता हैं कि घटना बीते दिनों 17 फरवरी की बताई जा रही है। जिस पर ग्रामीणों द्वारा विकासखंड अधिकारी को सौंपे गए शिकायती पत्र के अनुसार, प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक महफूज अंसारी ने मासूम बच्चों को लाठी से इतनी बेरहमी से पीटा कि उनके शरीर पर लाठी के निशान उभर आए हैं। साथ ही डरे-सहमे बच्चे अब उस शिक्षक की क्लास में बैठने से भी कतरा रहे हैं और रो-रोकर अपनी आपबीती सुना रहे हैं। जिस पर ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने इस पूरी घटना का वीडियो भी बनाया है। आक्रोशित ग्रामवासियों ने संकुल केंद्र केकड़ा के माध्यम से प्रशासन से मांग की है कि उक्त शिक्षक पर तत्काल उचित कार्रवाई की जाए और उसका स्थानांतरण कर स्कूल में किसी अन्य शिक्षक की व्यवस्था की जाए ताकि बच्चों का भविष्य और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

इनका कहना है

1- मामला हमारे संज्ञान में आते ही तत्काल स्कूल के प्राचार्य और संकुल प्रभारी को मामले की जांच के लिए आदेशित किए गया था, जांच के बाद रिपोर्ट बनाकर उच्चाधिकारियों को सौंप दिया गया।

रविशंकर ठाकुर
बी आर सी सी छपारा

2- जानकारी मिलते ही तत्काल जॉच के आदेश दिए गए थे, जांच रिपोर्ट को सहायक आयुक्त महोदय को सौंप दी गई जिस पर उन्होंने शिक्षक महफूज अंसारी को तीन दिन का समय दे कर अपना पक्ष रखने की बात कही।

नवाचार से सजी प्रार्थना सभा : छात्रों ने प्रस्तुत किया दैनिक गतिविधियों का प्रतिवेदन

डिंडोरी। संदीपनि विद्यालय नरिया में प्रार्थना सभा के दौरान एक सराहनीय और नवाचारी पहल देखने को मिली। विद्यालय की दैनिक प्रार्थना सभा को और अधिक सार्थक एवं सहभागी बनाने के उद्देश्य से छात्रों द्वारा पिछले दिन की समस्त गतिविधियों (विद्यालय लगने से अवकाश तक)का प्रतिवेदन (रिपोर्ट प्रस्तुति) स्वयं मंच से प्रस्तुत किया गया। विद्यालय प्रबंधन द्वारा आरंभ की गई इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अभिव्यक्ति कौशल, आत्मविश्वास तथा उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना है। प्रतिदिन हाउसवार चयनित छात्र मंच पर आकर शैक्षणिक गतिविधियों, सह-पाठ्यक्रम कार्यक्रमों, खेलकूद, विशेष आयोजनों एवं महत्वपूर्ण घोषणाओं का क्रमबद्ध विवरण प्रस्तुत करते हैं। इस नवाचार के माध्यम से विद्यार्थियों को न केवल मंच संचालन का अनुभव प्राप्त हो रहा है, बल्कि वे विद्यालय की गतिविधियों से भी अधिक जागरूक हो रहे हैं। शिक्षकों ने बताया कि इस पहल से बच्चों में संवाद कौशल में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है तथा वे विद्यालयीन अनुशासन एवं गतिविधियों के प्रति अधिक सजग बने हैं। विद्यालय का यह प्रयास विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को इस प्रकार के रचनात्मक प्रयासों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। अभिभावकों एवं स्थानीय नागरिकों ने भी विद्यालय की इस अभिनव पहल की प्रशंसा करते हुए इसे शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायी उदाहरण बताया। इस प्रकार, संदीपनि विद्यालय नरिया की प्रार्थना सभा अब केवल प्रार्थना तक सीमित न रहकर, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रभावी मंच बन गई है।

छपारा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, देर रात डीजे बजाने वाले संचालक पर गिरी गाज

सिवनी। जिला प्रशासन और पुलिस विभाग इन दिनों एक्शन मोड में है। जिले में चल रही वार्षिक परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए ध्वनि प्रदूषण और देर रात तक डीजे बजाने वालों के खिलाफ शिकंजा कसना शुरू हो गया है। ताजा मामला छपारा थाना क्षेत्र का है, जहाँ पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने वाले एक डीजे संचालक पर कड़ी कार्रवाई की है

क्या है पूरा मामला

वर्तमान में स्कूली छात्र-छात्राओं की वार्षिक परीक्षाएं चल रही हैं। परीक्षाओं के दौरान छात्रों को शांतिपूर्ण माहौल मिल सके, इसके लिए प्रशासन ने देर रात तक तेज आवाज में लाउडस्पीकर या डीजे बजाने पर प्रतिबंध लगाया है। इसके बावजूद, छपारा में देर रात तक तेज आवाज में डीजे बजाया जा रहा था। शिकायत मिलते ही छपारा थाना पुलिस ने मौके पर दबिश दी और कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए डीजे साउंड सिस्टम को जप्त कर लिया।

डीजे संचालकों में हड़कंप

पुलिस की इस अचानक हुई बड़ी कार्रवाई से क्षेत्र के डीजे संचालकों में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने स्पष्ट संदेश दिया है कि नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

थाना प्रभारी का संदेश

"छात्रों की पढ़ाई और जनहित को देखते हुए नियम बनाए गए हैं। यदि कोई भी संचालक नियम-कानून का उल्लंघन कर निर्धारित समय के बाद या तेज आवाज में डीजे बजाएगा, तो उस पर सबसे सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कोतवाली पुलिस की तत्परता से चंद घंटों में मिला 9 वर्षीय लापता बालक, परिजनों को सकुशल सौंपा

सिवनी। मध्यप्रदेश पुलिस के निर्देशन में लापता एवं अपहृत नाबालिग बच्चों की शीघ्र दस्तयाबी हेतु लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सुनील मेहता (पुलिस अधीक्षक, सिवनी) के कुशल नेतृत्व तथा दीपक मिश्रा (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक) एवं सचिन परते (अनुविभागीय अधिकारी पुलिस) के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस ने एक बार फिर अपनी सक्रियता का परिचय दिया है। दिनांक 19 फरवरी 2026 को विवेकानंद वार्ड, सिवनी निवासी एक पिता ने थाना कोतवाली पहुंचकर सूचना दी कि उनका 9 वर्षीय पुत्र शिवराज यादव, पिता मुरलीधर यादव, दोपहर लगभग 2 बजे से घर से लापता है। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल अलग-अलग टीमों का गठन किया और संभावित स्थानों पर सघन तलाश प्रारंभ की। पुलिस की त्वरित कार्रवाई, सतर्कता और समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप नाबालिग बालक को चंद घंटों के भीतर सुरक्षित दस्तयाब कर लिया गया। इसके बाद बालक को सकुशल परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। अपने पुत्र को सुरक्षित पाकर परिजनों ने पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक श्री सतीश तिवारी के नेतृत्व में सउनि प्रमोद मालवी, आरक्षक रविशंकर सोनी, मिथलेश उईके, सतीश इवनाती एवं सिद्धार्थ दुबे की विशेष भूमिका रही। कोतवाली पुलिस की यह त्वरित एवं संवेदनशील कार्यवाही न केवल पुलिस की सजगता को दशार्ती है, बल्कि आमजन में सुरक्षा और विश्वास की भावना को भी मजबूत करती है।

कर्मचारी के नाम पर खाता खोलकर क्रिकेट सट्टे का करोड़ो रुपयों का हेर फेर करने वाले व्यापारी सहित 03 आरोपी कटनी पुलिस की गिरफ्त में

कटनी। कर्मचारी के नाम पर फर्जी तरीके से खाता खोलकर आनलाइन क्रिकेट सट्टे का करोड़ो रुपयों का हेर फेर करने वाले कपड़ा व्यापारी सहित 03 आरोपी को पकड़ा गया। दिनांक 14 फरवरी को प्रार्थी अमित दाहिया पिता भल्लू दाहिया उम्र 29 वर्ष, निवासी ग्राम जुहली द्वारा रिपोर्ट की गई कि, बस्ती में बॉम्बे ब्यूटीफुल साडी सेंटर पर काम करता हूँ उसके मालिक योगेश बजाज द्वारा दुकान के कैश का लेनदेन का बोलकर मेरे नाम से बैंको में खाता खुलवा लिये तथा उन खातो में अत्याधिक पैसो का लेनदेन किया जा रहा है , बैंक के दस्तावेज अपने पास रख लिये हैं। बैंक खाते की पासबुक, एटीएम चैकबुक अपने पास रख मालिक योगेश बजाज निवासी माधवनगर के द्वारा मेरे नाम से खोले गये खातों में उनके द्वारा गलत तरीके से पैसों का लेनदेन किया गया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना माधवनगर में अपराध क्रमांक 148/26 धारा 318(4),319 (2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान मामले में धारा 4 (क) पब्लिक गैंबलिंग एक्ट का इजाफा किया गया। मुखबिर सूचना पर आरोपी

योगेश बजाज को पकड़ा गया जिसने बताया कि कांकेर छ.ग. निवासी मनीष एवं रोहित से क्रिकेट सट्टा की आन लाइन मास्टर आई.डी. 20% कमीशन पर लिया था । मनीष व रोहित के क्रिकेट सट्टा के रुपयों को वह कटनी में अलग अलग व्यक्तियों के खातों का उपयोग कर ट्रान्सफर कर कैश के रुप में करा लेता था। आरोपी द्वारा स्वयं के खातों का उपयोग करने के साथ, कर्मचारी अमित दाहिया के नाम से बंधन बैंक, लउऋछ, कछइक बैंक में कुल 04 खाते खुलवाये थे। खातो में लिंक सिम का उपयोग स्वयं के मोबाइल पर लगाकर आनलाइन लेन देन करता था। आरोपी द्वारा कर्मचारी के उपयोग किये जाने वाले खातों की जानकारी प्राप्त की गई। जिनमें आरोपी द्वारा बंधन बैंक के खाता में लगभग 01 करोड 09 लाख, एच.डी.एफ.सी. बैंक के दो खातों में लगभग 01 करोड़ 04 लाख 54 हजार एवं आई.डी.बी.आई. के खाते से लगभग 59 लाख रुपयों का आनलाइन ट्रान्सफर कराया गया है। योगेश बजाज के द्वारा अन्य लोगों का खाता भी उपयोग किया गया। आरोपी के स्वयं एवं अन्य व्यक्तियों के खातों से (कुल लगभग 3 करोड 29 लाख 24 हजार रुपयो) का लेन देन आन लाइन व अन्य माध्यमों से किया है। आरोपी योगेश बजाज के व्दारा कांकेर छत्तीसगढ निवासी मनीष से आनलाईन क्रिकेट सट्टे की आईडी लेकर कटनी में अन्य लोगो को सट्टा खेलने के लिये आई डी दी गई थी, उसके पास से 4 लाख 80 हजार रुपये कैश के साथ- साथ 03 चैक बुक, 03 एटीएम कार्ड एवं एक पास बुक जो अलग अलग व्यक्तियों के होना पाये गये एवं आरोपी का मोबाइल जप्त किया गया। मोबाइल पर विभिन्न प्रकार के चैट ग्रुपस् एवं संदिग्धों से रुपयों पैसों के हिसाब की जानकारी प्राप्त हुई है। आरोपी द्वारा आन लाइन ट्रान्सफर रूपयों को उसके सहयोगियों के खातों में एवं सहयोगियों द्वारा उपलब्ध कराये गये खातों में ट्रान्सफर कर कैश ले लेता था। आरोपी द्वारा उपयोग किये गये अन्य व्यक्तियों के एकाउण्टों के एटीएम से 72000/- रुपये कैश निकालकर जप्त किया गया। आरोपी योगेश बजाज से कुल नगदी 5 लाख 52 हजार रुपये जप्त किया गया है। अधिक मात्रा में कैश इकट्ठा हो जाने पर योगेश कैश को मनीष एवं रोहित को हवाला के माध्यम से किसी व्यक्ति को भेज देता था, योगेश बजाज व्हाटसैप पर आये हवाला के नोट से मिलान कर व्यक्ति को रुपया दे देता था। मनीष के अलावा संत नगर निवासी तरुण मोटवानी अपने दोस्त द्वारा अलग अलग एकाउण्टों से योगेश बजाज द्वारा दिये गये खातों पर आन लाइन रुपया ट्रान्सफर करता था। जिसके बदले में तरुण मोटवानी, योगेश बजाज से कैश रुपया प्राप्त कर लेता था।

महिलाओं के लिए मांसपेशियों का हेल्दी होना क्यों है जरूरी

ज्यादातर लोग मानते हैं कि मसल्स यानी मांसपेशियां बनाने का काम सिर्फ बॉडी बिल्डर्स का होता है, जबकी हकीकत इसके ठीक विपरित है। मनुष्य की शारीरिक बनावट ऐसी है कि उसमें मसल्स और हड्डियों की उचित मात्रा होती है और तंदुरुस्त मांसपेशियों से अनेक फायदे होते हैं, फिर चाहे वह पुरुष हों या महिला। ज्यादातर महिलाएं अपनी मसल्स के प्रति लापरवाही बरतती हैं जिससे बाद में उन्हें कई तरह की दिक्कतें और बीमारियों का सामना करना पड़ता है।

25 की उम्र से मांसपेशियां खराब होनी शुरू होती हैं
आपकी मांसपेशियों की सेहत 25 वर्ष की उम्र में खराब होना शुरू हो सकती है जिसके कारण आप पर चोट और अन्य बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। मांसपेशियों को सुगठित करने से शरीर में मजबूती आती है और दैनिक कामकाज, जैसे- काम के संदर्भ में सफर करना, बच्चों के साथ खेलकूद करना, राशन या भारी सामान उठाकर चलना आदि आसान हो जाता है। साथ ही आपका संतुलन और फुर्ती बढ़ती है, जिससे आप गिरने और चोटिल होने से बची रहती हैं।
कामकाजी महिलाओं का पॉस्चर बिगड़ने का खतरा
कामकाजी महिलाओं के मामले में, मांसपेशियों का मजबूत और हेल्दी होना ज्यादा जरूरी होता है क्योंकि काम के दबाव और समय के साथ शारीरिक पॉश्चर बिगड़ सकता है। इससे आपकी रीढ़ की हड्डी, कन्धे, कूल्हों और घुटनों पर काफी बुरा असर पड़ता है जिससे शरीर में अनेक प्रकार की संरचनागत खराबी पैदा हो सकती है। इससे पीठ और जोड़ों में दर्द, शरीर की लोच में कमी और मांसपेशियों में कमजोरी हो सकती है।

फैट और कैलरी नष्ट करने का जरिया

किसी महिला की रेस्टिंग मेटाबॉलिक रेट यानी निष्क्रिय बैठे रहने पर नष्ट की गयी कैलरी की मात्रा का निर्धारण इस बात से होता है कि उसकी मांसपेशी कितनी पतली है। रोजाना के आधार पर एक पॉन्ड चर्बी की तुलना में एक पॉन्ड मांसपेशी तीन गुणा ज्यादा कैलरी नष्ट करती है। जिनके शरीर में अधिक मांसपेशी पिंड होता है, वह निष्क्रिय अवस्था में उतनी ही ज्यादा कैलरी नष्ट करतीं है। मतलब यह कि, आप महज अच्छी नींद के द्वारा ज्यादा फैट और कैलरी नष्ट कर सकती हैं। जो चुस्त-दुरुस्त और आकर्षक दिखना चाहतीं हैं, उन्हें पतली मांसपेशियां बनानी चाहिए चूंकि चर्बी को ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, इसलिए मेहनत करने से चर्बी का नाश होता है।

40-50 की उम्र के बाद मांसपिंड में कमी

कोई महिला जब 30 की उम्र पार करती है, तब उसकी हड्डियों का क्षरण आरम्भ होने लगता है। इसी प्रकार 40-50 की उम्र के बाद स्त्रियों का मांसपिंड कम होने लगता है। अक्सर इसकी जगह चर्बी आ जाती है क्योंकि चयापचयी क्रिया यानी मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है। इस वक्त वजन बढ़ाने और मांसपेशियों को मजबूत बनाने वाले व्यायामों से न केवल मांसपेशियों की मजबूती और वजन सही बनाए रखने में मदद मिलती है, बल्कि अस्थिपिंड सुगठित होता है, जोड़ एवं संधि ऊतक मजबूत बनते हैं और हड्डी का क्षरण कम होता है। इन सभी से बाद में ऑस्टियोपोरोसिस होने का खतरा कम होता है। इसलिए, शक्तिवर्द्धक व्यायाम से संकोच न करें।

प्रोटीन की शक्ति

प्रोटीन मांसपेशी के आहार का राजा है। शरीर प्रोटीन को एमिनो एसिड्स में विखंडित कर देता है और मांसपेशी बनाने में उनका उपयोग करता है। किन्तु, उम्र बढ़ने के साथ-साथ प्रोटीन को विखंडित संश्लेषित करने की क्षमता घटती जाती है। इसलिए, शक्तिवर्द्धक व्यायाम करने वाली अधिक उम्र की वयस्क महिलाओं के लिए शरीर के प्रति किलोग्राम वजन पर 1.1 ग्राम से 13 ग्राम प्रोटीन की रोजाना जरुरत होती है। पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं के लिए नष्ट हो चुकी मांसपेशी को वापस पाना ज्यादा कठिन होता है। इसलिए सही अनुपात में सभी पोषक तत्वों के साथ संतुलित आहार लेना आवश्यक है। चर्बी को संतुलित रखने के साथ पर्याप्त मात्रा में अच्छी क्वॉलिटी के प्रोटीन से बेहतर मेटाबॉलिज्म में मदद मिलती है।

किशमिश खाने के बेमिसाल फायदे

किशमिश एक ऐसा ड्राई फ्रूट है जो दूसरे ड्राई फ्रूट्स की तुलना में सस्ता होता है और यही इसकी लोकप्रियता का प्रमुख कारण भी है। किशमिश का इस्तेमाल न केवल मीठे व्यंजनों में किया जाता है बल्कि कई जगहों पर तो इसे चाट में भी डालकर सर्व किया जाता है। इसका खट्टा-मीठा स्वाद हर डिश को स्पेशल बना देता है लेकिन क्या आपने कभी इसके फायदे जानने की कोशिश की है? किशमिश खाने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसके नियमित सेवन से शरीर में खून की कमी नहीं होती। ये वजन घटाने में मददगार है, एनर्जी लेवल को बूस्ट करने और विटामिन सी की आवश्यकता को पूरा करने में मददगार है।
अगर आप भी रोज नट्स और किशमिश खाते हैं, तो अच्छी बात है। मगर क्या आपको पता है कि अगर आप किशमिश को रात में भिगोकर खाते हैं, तो यह ज्यादा फायदेमंद हो जाता है। अगर आप रोजाना सिर्फ 10 किशमिश के दानों को रात में भिगोकर सुबह खाएं, तो इससे कई तरह के रोगों और बीमारियों से बचाव होगा। साथ ही सेहत भी बेहतर होगी। एक नजर इसके फायदों पर-
किशमिश खाने का सबसे अच्छा तरीका है कि इसे रात में पानी में भिगोकर रख दें और सुबह फूल जाने पर खाएं और किशमिश के पानी को भी पी लें। भीगी हुई किशमिश में आयरन, पोटैशियम, कैल्शियम, मैग्नेशियम और फाइबर भरपूर होता है। इसमें मौजूद शुगर प्राकृतिक होती है इसलिए सामान्यत: इसका कोई नुकसान नहीं होता है मगर डायबीटीज के मरीजों को किशमिश नहीं खानी चाहिए। किशमिश वास्तव में सूखे हुए अंगूर होते हैं। ये कई रंगों में मौजूद होत हैं मसलन गोल्डन, हरा और काला। इसके अलावा आप कई सब्जियों के स्वाद को बेहतर बनाने के लिए भी किशमिश का इस्तेमाल कर सकते हैं।

बढ़ेगी रोगों से लड़ने की क्षमता

रात में भीगी हुई किशमिश खाने और इसका पानी पीने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सिडेंट्स के कारण इम्यूनिटी बेहतर होती है जिससे बाहरी वायरस और बैक्टीरिया से हमारा शरीर लड़ने में सक्षम होता है और ये बैक्टीरिया शरीर में प्रवेश नहीं कर पाते हैं।

बीपी भी रहता सामान्य

रात को भिगोयी हुयी किशमिश वैसे तो सभी के लिए फायदेमंद है मगर इसका लाभ उन लोगों को मिल सकता है, जो हाई ब्लड प्रेशर यानी हाइपरटेंशन से परेशान हैं। किशमिश शरीर के ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करती है। इसमें मौजूद पोटैशियम तत्व आपको हाइपरटेंशन से बचाता है।

शरीर में खून बढ़ाए

किशमिश के सेवन से आप अनीमिया से बचे रहते हैं क्योंकि किशमिश आयरन का बेहतरीन स्रोत होता है। साथ ही इसमें विटामिन बी काम्प्लेक्स भी बहुतायत में पाया जाता है। ये सभी तत्व रक्त फॉर्मेशन में उपयोगी हैं।
किशमिश यानी मुनक्का पाचन तंत्र में बेहद फायदेमंद है। मिनरल्स की मात्रा काफी होती है। यह हड्डियों के लिए काफी अच्छा होता है। दिनभर में 10-12 किशमिश ली जा सकती हैं। एक बात हमेशा ध्यान रखें कि भीगी हुई किशमिश में कैलरी की मात्रा काफी ज्यादा होती है। इसलिए इस बात का ध्यान रखें कि इसे ज्यादा मात्रा में न लें। इसे नियमित अपने आहार में शामिल करने से डाइजेशन में आराम मिलता है। असल में यह फाइबर से भरपूर होता है।

मरीज को मृत समान बना देता है फाइलेरिया

फाइलेरिया दुनिया की दूसरे नंबर की ऐसी बीमारी है जो बड़े पैमाने पर लोगों को विकलांग बना रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक 65 करोड़ भारतीयों पर फाइलेरिया रोग का खतरा मंडरा रहा है। आइए जानते हैं इसके कारण, लक्षण, इलाज और बचाव के बारे में:

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक 65 करोड़ भारतीयों पर फाइलेरिया रोग का खतरा मंडरा रहा है। 21 राज्यों और केंद्र शासित राज्यों के 256 जिले फाइलेरिया से प्रभावित हैं। फाइलेरिया दुनिया की दूसरे नंबर की ऐसी बीमारी है जो बड़े पैमाने पर लोगों को विकलांग बना रही है। दुनिया के 52 देशों में करीब 856 करोड़ लोग फाइलेरिया के खतरे की जद में हैं। लिंफेटिक फाइलेरियासिस को ही आम बोलचाल की भाषा में फाइलेरिया कहा जाता है। इस साल जनवरी में वाराणसी में फाइलेरिया के कई मामले देखे गए। फाइलेरिया एक गंभीर बीमारी है। यह जान तो नहीं लेती है, लेकिन जिंदा आदमी को मृत के समान बना देती है। इस बीमारी को हाथीपांव के नाम से भी जाना जाता है। अगर समय पर फाइलेरिया की पहचान कर ली जाए तो जल्द इलाज शुरू किया जा सकता है।

फाइलेरिया के कारण

फाइलेरिया मच्छरों द्वारा फैलता है, खासकर परजीवी क्यूलैक्स फैंटीगंस मादा मच्छर के जरिए। जब यह मच्छर किसी फाइलेरिया से ग्रस्त व्यक्ति को काटता है तो वह संक्रमित हो जाता है। फिर जब यह मच्छर किसी स्वस्थ्य व्यक्ति को काटता है तो फाइलेरिया के विषाणु रक्त के जरिए उसके शरीर में प्रवेश कर उसे भी फाइलेरिया से ग्रसित कर देते हैं। लेकिन ज्यादातर संक्रमण अज्ञात या मौन रहते हैं और लंबे समय बाद इनका पता चल पाता है। इस बीमारी का कारगर इलाज नहीं है। इसकी रोकथाम ही इसका समाधान है।

फाइलेरिया के लक्षण

आमतौर पर फाइलेरिया के कोई लक्षण स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देते, लेकिन बुखार, बदन में खुजली और पुरुषों के जननांग और उसके आस-पास दर्द व सूजन की समस्या दिखाई देती है। इसके अलावा पैरों और हाथों में सूजन, हाथी पांव और हाइड्रोसिल (अंडकोषों की सूजन) भी फाइलेरिया के लक्षण हैं। चूंकि इस बीमारी में हाथ और पैर हाथी के पांव जितने सूज जाते हैं इसलिए इस बीमारी को हाथीपांव कहा जाता है। वैसे तो फाइलेरिया का संक्रमण बचपन में ही आ जाता है, लेकिन कई सालों तक इसके लक्षण नजर नहीं आते। फाइलेरिया न सिर्फ व्यक्ति को विकलांग बना देती है बल्कि इससे मरीज की मानसिक स्थिति पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है।

फाइलेरिया से बचाव

फाइलेरिया चूंकि मच्छर के काटने से फैलता है, इसलिए बेहतर है कि मच्छरों से बचाव किया जाए। इसके लिए घर के आस-पास व अंदर साफ-सफाई रखें। पानी जमा न होने दें और समय-समय पर कीटनाशक का छिड़काव करें। पूरी बाजू के कपड़े पहनकर रहें।
सोते वक्त हाथों और पैरों पर व अन्य खुले भागों पर सरसों या नीम का तेल लगा लें हाथ या पैर में कही चोट लगी हो या घाव हो तो फिर उसे साफ रखें। साबुन से धोएं और फिर पानी सुखाकर दवाई लगा लें।

सिर की चोट को न करें इग्नोर हो सकती है ऐसी परेशानी

सिर पर लगी गंभीर चोट के कारण सूंघने की शक्ति कुछ समय के लिए कम हो जाती है, यह बात ज्यादातर लोगों को पहले से पता है। लेकिन हाल ही एक रिसर्च में पता चला है कि सिर की मामूली चोट से भी सूंघने की शक्ति जा सकती है। साथ ही ऐंग्जाइटी यानी चिंता और बेचैनी की भी समस्या हो सकती है। ब्रेन इंजरी नामक पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन में पाया गया है कि मामूली हादसों, जैसे बिना हेल्मेट के बाइक से गिरने, ढलान से गिरने, बर्फ पर फिसलने और किसी के सिर से टकराने, से इस तरह की समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इस रिसर्च की अगुवाई करने वाले कनाडा के मॉन्ट्रियल यूनिवर्सिटी के लेखक फैनी लेकायर जीगर ने कहा, 'बहुत से लोगों को लाइफ में कभी न कभी सिर में हल्की चोट लगती ही है और उनके सूंघने की शक्ति कम हो गई है इसके बारे में पता लगने के बाद उन्हें अपने डॉक्टर को इसके बारे में बताना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'मरीज को इस परेशानी के बारे में डॉक्टर को बताना चाहिए क्योंकि इसके बारे में ज्यादातर डॉक्टर पूछते नहीं हैं।' इस रिसर्च के लिए शोधकर्ताओं ने 20 हॉस्पिटल के मरीजों की तुलना की, जिनको हलकी चोटें लगी थीं। इन में 22 मरीज ऐसे थे जिनके अंग टूट गए थे, लेकिन उनके सिर में चोट नहीं आई थी। हादसे के 24 घंटों के भीतर सिर में हल्की चोट वाले आधे से ज्यादा मरीजों की सूंघने की शक्ति कम हो गई थी। वहीं जिन मरीजों की सिर्फ हड्डियां टूटी थी, उनमें से सिर्फ पांच प्रतिशत को ही इस परेशानी का सामना करना पड़ा था। हालांकि एक साल बाद सभी सामान्य हो गए थे। साथ ही सिर पर चोट खाए मरीज बाकियों से ज्यादा परेशान और बेचैन थे। सूंघने की उनकी क्षमता का परीक्षण करने के लिए, शोधकर्ताओं ने दिसंबर 2016 और फरवरी 2017 के बीच स्विट्जरलैंड के अल्पाइन स्की रिसॉर्ट में उन मरीजों से मिले थे। सभी मरीजों को गुलाब, लहसुन, लौंग की सिंथेटिक खुशबू की पहचान करने को कहा गया था। एक साल बाद फिर से सभी मरीजों को फॉलोअप क्वेस्चनायर भेजा गया। शोधकर्ताओं ने इन दोनों समूहों के मरीजों के चोट लगने के दिन और 12 महीने बाद सामने आए परिणामों की तुलना की। इसमें शोधकर्ताओं ने पाया कि ज्यादातर मरीजों की सूंघने की शक्ति ऐक्सिडेंट के छह महीने के भीतर ही वापस आ गई थी। हालांकि उनमें से कई लोगों में बेचैनी की समस्या देखने को मिली। शोधकर्ताओं ने कहा कि लगभग 65 प्रतिशत मरीजों ने इस तरह के लक्षणों के बारे में बताया।

'द ब्लफ' के लिए प्रियंका ने क्यों स्टंट डबल का इस्तेमाल किया? बोलीं- 'मैं हीरो नहीं हूं'

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड की देसी गर्ल से हॉलीवुड की एक्शन गर्ल बनने तक का सफर बखूबी तय किया है। जल्द ही वह एक हॉलीवुड एक्शन फिल्म 'द ब्लफ' में लीड रोल में दिखेंगी। इस फिल्म को लेकर प्रियंका काफी एक्साइटेड हैं। लेकिन फिल्म में कई एक्शन सीन्स प्रियंका ने खुद नहीं किए।

प्रियंका चोपड़ा ने गजब का एक्शन भी किया है।

खतरनाक शॉट्स से प्रियंका ने बनाई दूरी

प्रियंका चोपड़ा ने कहा, 'कुछ शॉट्स ऐसे थे जिनके लिए मुझे अपने स्टंट डबल पर डिपेंड रहना पड़ा। स्टंट डबल को तीन या चार खतरनाक शॉट्स करने पड़े। इसमें चेहरे पर कांच लगने वाले सीन्स भी शामिल थे।'

प्रियंका चोपड़ा आगे कहती हैं, 'यह चॉइस सिर्फ मेरी नहीं थी। प्रोडक्शन टीम को भी चिंता थी। उन्होंने मुझे खतरनाक स्टंट करने नहीं दिए। देखिए, मैं हीरो नहीं हूं, मैं काम करने के लिए काम पर जाती हूं। मैं नहीं चाहती कि किसी को चोट लगे या मुझे खुद को भी चोट लगे।'

फिल्म 'द ब्लफ' में क्या है प्रियंका चोपड़ा का किरदार?

प्रियंका चोपड़ा और कार्ल अर्बन स्टारर 'द ब्लफ' एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है। यह 25 फरवरी को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली है। फ्रैंक ई फ्लावर्स के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म एक कैरिबियन महिला की कहानी है, जिसका सीक्रेट पास्ट तब सामने आता है जब समुद्री लुटेरे उसके आइलैंड पर हमला करते हैं। फिल्म में

इन प्रोजेक्ट्स में भी आएंगी देसी गर्ल नजर

प्रियंका चोपड़ा के करियर फ्रंट की बात करें तो वह हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' और राजामौली की पैन इंडिया फिल्म 'वाराणसी' का हिस्सा हैं। 'वाराणसी' फिल्म में प्रियंका चोपड़ा साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म बड़े स्तर पर बन रही है। इस फिल्म की शूटिंग के लिए प्रियंका चोपड़ा लगातार भारत आ रही हैं। अब उनका नाम फिल्म '007 बॉन्ड' सीरीज को लेकर भी सामने आ रहा है।

कोर्टरूम में गूंजेगी न्याय की आवाज

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'अस्सी' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में वह रावी के किरदार में नजर आएंगी—एक निडर वकील जो यौन हिंसा के खिलाफ न्याय की लड़ाई लड़ती है। अनुभव सिन्हा के निर्देशन में बनी यह सशक्त कोर्टरूम ड्रामा 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

फिल्म में तापसी का केंद्रीय किरदार पूरी कहानी को आगे बढ़ाता है—तनावपूर्ण नैतिक टकराव से लेकर कठिन कानूनी संघर्षों तक, यह पूरी तरह उनके अभिनय का प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण है। जोरदार प्रमोशन और सिनेमाघरों के समर्थन की उनकी अपील ने रिलीज से पहले ही उत्साह को चरम पर पहुंचा दिया है। सामाजिक मुद्दों पर आधारित सशक्त कहानियों में उनकी पकड़ पहले भी देखने को मिल चुकी है, और शुरुआती समीक्षाएँ उनके भावनात्मक व प्रभावशाली प्रदर्शन की सराहना कर रही हैं, जो पहले ही दृश्य से दर्शकों को बांध लेता है। तापसी इस फिल्म की निर्विवाद नायिका हैं। कोर्टरूम के तीखे मुकाबलों और नैतिक संघर्षों के बीच उनका किरदार हर मोड़ को दिशा देता है और पूरी कथा की मजबूत आधारशिला बनता है। तापसी और अनुभव सिन्हा की तीसरी मजबूत साझेदारी है। इससे पहले वे मुल्क और थप्पड़ जैसी प्रभावशाली फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं, जहां तापसी ने सामाजिक सरोकारों से जुड़ी कहानियों में यादगार अभिनय किया था। निर्देशक की यथार्थवादी शैली उनके अभिनय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाती है। अस्सी की कहानी उन अपराधों पर रोशनी डालती है जिन्हें समाज अक्सर अनदेखा कर देता है। तापसी ऐसी सशक्त और सच्ची कहानियों को बड़े पर्दे पर देखने और समर्थन देने की अपील करती हैं। उनका यह समर्पण फिल्म को और अधिक अर्थपूर्ण बनाता है।

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की शादी की तैयारियां शुरू

लाइटों से सजा एक्टर का घर

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की शादी की खबरें इन दिनों बॉलीवुड में खूब चर्चा में हैं। खबरों के मुताबिक, उनकी शादी में अब कुछ ही दिन बचे हैं। हाल ही में विजय देवरकोंडा के घर का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जिसे लाइटों से सजाया गया है।

आई है। वेडिंग इन्विटेशन के लिए खासतौर से एक बॉक्स तैयार किया गया है। इसके बाद शादी के कार्ड की फोटो भी खूब वायरल हो रही है। अब दोनों के शादी के कार्ड से जुड़ी एक और जानकारी सामने

कहां होगी विजय-रश्मिका की शादी?

सूत्रों के अनुसार, शादी उदयपुर के बाहरी इलाके में स्थित एक हिल रिसॉर्ट में होगी। जानकारी के अनुसार यह शादी अरावली पर्वतमाला में बसे उदयपुर से 25 किलोमीटर दूर स्थित आईटीसी होटल्स के 'द मोमेंटोस' में होगी। इस हिल रिसॉर्ट को इसलिए चुना गया है क्योंकि दूल्हा-दुल्हन अपनी शादी में पूरी तरह से प्राइवेट रखना चाहते हैं। इसके अलावा रैफल्स उदयपुर और फेयरमोंट का नाम भी सामने आ रहा है।

साल 2018 में शुरू हुई थी लव स्टोरी

शादी 26 फरवरी को होगी इसके बाद 4 मार्च को एक ग्रैंड रिसेप्शन दिया जाएगा। हालांकि कपल ने अपनी तरफ से इसकी कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है। लेकिन इस वेडिंग इनवाइट से उनके फैंस की खुशी चार गुना बढ़ा दिया है।

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की मुलाकात 2018 में फिल्म 'गीता गोविंदम' की शूटिंग के दौरान हुई थी। यहीं से दोनों में दोस्ती हुई और फिर प्यार की शुरुआत हुई।

मृणाल ठाकुर के एक्स बॉयफ्रेंड को थी इन एक्टर्स से इनसिक्योरिटी

मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी यूट्यूब पर रौनक रजनी के शो में अपनी आने वाली फिल्म दो दिवाने सहर में के प्रमोशन के लिए पहुंचे थे। इस बीच मृणाल ने शेयर किया कि उनका एक्स-बॉयफ्रेंड उनके को-एक्टर्स को लेकर कितना इनसिक्योर था।

इनसिक्योरिटी पर क्या बोलीं मृणाल

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर से जब पूछा गया कि क्या वे खुद को एक इनसिक्योर मानती हैं या नहीं। तब, उन्होंने स्वीकार किया कि कभी-कभी उन्हें इनसिक्योरिटी होती है और इसके लिए उन्होंने अपने एक्स-बॉयफ्रेंड से जुड़ी एक कहानी शेयर की।

मृणाल ने कहा, 'करियर के शुरुआती दिनों में, मैं ऋतिक रोशन के साथ 'सुपर 30' और शाहिद कपूर के साथ 'जर्सी' की शूटिंग कर रही थी। जो मेरा बॉयफ्रेंड था, उसे लगता था कि मैं अच्छे दिखने वाले एक्टर्स के साथ शूटिंग कर रही हूं और घूम रही हूं। इस वजह से उसे इनसिक्योरिटी होने लगी। उसने वर्कआउट करना शुरू कर दिया और 15–17 किलो वजन घटाकर मसल्स बनाए। लेकिन कुछ दिनों बाद, उसने वर्कआउट बंद कर दिया। फिर खाकर 20 किलो बढ़ा लिया। मेरे बॉयफ्रेंड ने कहा कि मैं थक गया हूं तुम्हारे एक्टर्स की बराबरी करने की वजह से। लेकिन असल में मैंने कभी उससे वजन घटाने को नहीं कहा। यह उसकी इनसिक्योरिटी थी, इससे मेरा कुछ लेना-देना नहीं था।

यादव जी की लव स्टोरी' पर छिड़ा विवाद

भारतीय सिनेमा में अक्सर फिल्मों के जाति आधारित शीर्षकों और कहानियों को लेकर विवादों होते रहते हैं। हाल ही में मनोज बाजपेयी की 'घूसखोर पंडत' को लेकर हंगामा मचा था। अब एक नई फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' विवादों में आ गई है। उत्तर प्रदेश के संभल और फिरोजाबाद जिले में यादव समाज के लोगों ने फिल्म के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। समाजवादी पार्टी ने जिला प्रशासन को ज्ञापन देकर फिल्म की रिलीज रोकने की मांग की है। उन्होंने सिनेमाघरों को इसे प्रदर्शित न करने की चेतावनी भी दी है। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में यादव समुदाय के लोगों ने फिल्म के पोस्टर जलाकर अपना आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि फिल्म का शीर्षक और इसकी कहानी उनके समाज की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने और छवि धूमिल करने के उद्देश्य से बनाई गई है। स्थानीय प्रशासन को सौंपे गए ज्ञापन में समाज के प्रतिनिधियों ने मांग की है कि इस फिल्म की रिलीज पर तुरंत रोक लगाई जाए। प्रदर्शनकारियों ने सिनेमा हॉल संचालकों को भी चेतावनी दी है कि यदि फिल्म की स्क्रीनिंग की गई, तो आंदोलन और उग्र होगा।

कटरीना के बेटे के लिए आलिया ने भिजवाया इतना प्यारा तोहफा

पिछले साल नवंबर के महीने में कटरीना कैफ और विक्की कौशल पहली बार माता-पिता बने। जब से एक्ट्रेस मां बनी हैं, तभी से वह लाइमलाइट से दूर हैं और अपने बेटे के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड कर रही हैं। कटरीना कैफ का बेबी ब्वॉय हाल ही में तीन महीने का हो गया है। अब एक्ट्रेस के बेटे के लिए आलिया भट्ट की तरफ से प्यारा सा तोहफा भेजा गया है।

आलिया ने भेजा कटरीना के बेबी को तोहफा

कटरीना कैफ ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है जिसमें उन्होंने आलिया भट्ट की तरफ से भेजे गए गिफ्ट्स की झलकियां शेयर की हैं। आलिया भट्ट के क्लोदिंग ब्रांड Edamamma ने कटरीना के बेबी ब्वॉय के लिए क्यूट सा खिलौना और कपड़ा भेजा। एक्ट्रेस ने फोटो शेयर करते हुए लिखा, इन प्यारे कडलीज के लिए थैंक यू Edamamma।

क्या है कटरीना कैफ के बेटे का नाम?

कटरीना कैफ और विक्की कौशल 7 नवंबर 2025 को माता-पिता बने थे। कपल ने अपने बेटे का नाम विहान कौशल रखा है। कपल ने अपने बेटे के नाम की अनाउंसमेंट कर दी है, लेकिन अभी तक बेबी का चेहरा रिवील नहीं किया है। कपल के बेबी ब्वॉय को देखने के लिए लोग बेताब हैं।

कटरीना कैफ को आखिरी बार मेरी क्रिसमस मूवी में देखा गया था। इसके बाद से ही एक्ट्रेस फिल्मी वर्ल्ड से गायब हैं। वहीं, आलिया भट्ट लव एंड वॉर में विक्की कौशल और रणबीर कपूर के साथ नजर आएंगी।

'अस्सी' में रेप सर्वाइवर का किरदार निभा रहीं कानी कुसृति

फिल्ममेकर अनुभव सिन्हा एक बार फिर सामाजिक मुद्दे पर आधारित फिल्म 'अस्सी' लेकर आ रहे हैं। यह एक रेप सर्वाइवर परिमा की कहानी हैं। इस फिल्म में तापसी पन्नू जहां वकील के किरदार में दिखेंगी, वहीं कानी कुसृति रेप सर्वाइवर परिमा के रोल में नजर आने वाली हैं। फिल्म के ट्रेलर रिलीज के बाद से कानी की जमकर चर्चा हो रही हैं। ट्रेलर में अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराने वाली कानी ने दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर यह प्रतिभावान अभिनेत्री कौन है? कानी कुसृति का जन्म केरल के तिरुवनंतपुरम के एक छोटे से गांव में हुआ। उनके माता-पिता, जयश्री ए.के. और मैत्रेय मैत्रेयन, प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता हैं। कानी की परवरिश बेहद प्रगतिशील माहौल में हुई। उनके माता-पिता ने जातिवाद और सामाजिक भेदभाव को मिटाने के लिए अपना सरनेम तक छोड़ दिया था। 15 साल की उम्र तक कानी का कोई सरनेम नहीं था। जब 10वीं की परीक्षा के फॉर्म में सरनेम भरना अनिवार्य हुआ, तो उन्होंने खुद 'कुसृति' चुना, जिसका मलयालम में अर्थ होता है 'शरारती'।

'घुसखोर पंडत' विवाद पर बैकफुट पर नीरज पांडे

फिल्म निर्माता नीरज पांडे ने अपनी फिल्म 'घुसखोर पंडत' के शीर्षक को लेकर उठे विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर स्पष्टीकरण दिया है कि शीर्षक वापस ले लिया गया है। अपने हलफनामे में नीरज पांडे ने स्पष्ट किया कि फिल्म का शीर्षक अब 'घुसखोर पंडित' नहीं रहेगा। उन्होंने अदालत को यह भी बताया कि फिल्म पूरी तरह से काल्पनिक पुलिस ड्रामा है और इसका किसी भी धर्म, जाति या समुदाय से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का उनका कोई इरादा नहीं था और उन्होंने आश्वासन दिया कि फिल्म विशुद्ध रूप से मनोरंजन के उद्देश्य से बनाई गई है। इस मामले की सुनवाई आज सुप्रीम कोर्ट में होनी है। पिछली सुनवाई के दौरान, अदालत ने फिल्म निर्माता को फटकार लगाते हुए कहा था कि वह जानती है कि फिल्मों के लिए ऐसे शीर्षक क्यों चुने जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म निर्माताओं से फिल्म के लिए एक नया शीर्षक सुझाने को भी कहा था।

अमन नागपाल ने लॉन्च किया म्यूजिक वीडियो रांझा

अमन नागपाल का पहला म्यूजिक वीडियो रांझा का लॉन्च मुंबई में एक एक यादगार इवेंट में किया गया। साथ ही अमन नागपाल की म्यूजिक कंपनी स्काई एंटरटेनमेंट म्यूजिक का आधिकारिक लॉन्च भी किया गया। यह शाम अमन नागपाल के एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में नए सफर की शुरुआत का प्रतीक बनी, साथ ही उनके सफल छोले भटूरे ब्रांड से आगे बढ़ते हुए उनके बिज़नेस और एंटरप्रेन्योरियल विज़न को भी दर्शाती है। इस खास मौके पर बॉलीवुड के दिग्गज और चीफ गेस्ट गुलशन ग्रोवर मौजूद रहे, जो अमन नागपाल के बेहद करीबी और पुराने दोस्त भी हैं। उनकी मौजूदगी ने इस लॉन्च को और भी खास बना दिया। इस कार्यक्रम में दिग्गज अभिनेता राजा मुराद और अभिनेत्री निहारिका रायजादा भी शामिल हुईं, जबकि पूरे इवेंट को खूबसूरती से होस्ट किया अभिनेत्री मनीनी डे ने। इस शाम को भावनात्मक स्पर्श तब मिला जब अमन नागपाल के पिता हरीश चंद नागपाल और भाई ऋषभ नागपाल भी इस खास मौके पर मौजूद रहे और परिवार के लिए इस उपलब्धि को और भी यादगार बना दिया।

रांझा में ऋषभ बोर्चेटिया, सनाह मोइदुट्टी और के के शर्मा के साथ अमन नागपाल नजर आ रहे हैं। यह गाना प्यार, तड़प और उन भावनाओं को दर्शाता है जो वक्त गुजरने के बाद भी दिल में बनी रहती हैं। यह एक सोलफुल और दिल को छू लेने वाला म्यूजिकल अनुभव है। गुलशन ग्रोवर ने कहा, अमन सिर्फ टैलेंटेड और मेहनती ही नहीं बल्कि मेरे बहुत अच्छे दोस्त भी हैं। मुझे बेहद खुशी है कि मैं आज उनके म्यूजिक सफर की शुरुआत का हिस्सा हूं। रांझा दिल और भावनाओं से भरा हुआ गाना है और मुझे पूरा भरोसा है कि दर्शक इससे जुड़ाव महसूस करेंगे।

राजनंदिनी पवार बनीं फेमिना मिस इंडिया महाराष्ट्र 2026 की विजेता

फ्यूचर वर्सिटी एजुकेशन ग्रुप द्वारा फेमिना मिस इंडिया महाराष्ट्र 2026 स्टेट फिनाले का भव्य आयोजन किया। यह शाम हाई-फैशन कूट्योर ग्लैमर, शानदार स्टेज प्रेजेंटेशन और आधुनिक भारतीय एलिगेंस का अद्भुत संगम रही। मिस इंडिया ऑर्गनाइजेशन के विजन के तहत फ्यूचर वर्सिटी एजुकेशन ग्रुप द्वारा आयोजित यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम मुंबई के प्रतिष्ठित बाल गंधर्व रंगमंदिर ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ, जहां फैशन, आत्मविश्वास, नवाचार और उद्देश्यपूर्ण आधुनिक महिला सशक्तिकरण की झलक देखने को मिली।

भारतीय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में फ्यूचर वर्सिटी एजुकेशन ग्रुप को महाराष्ट्र, गुजरात और हरियाणा राज्यों में फेमिना मिस इंडिया का आयोजन करने का आधिकारिक लाइसेंस प्राप्त हुआ है। इस पूरे कार्यक्रम का संचालन विशेष रूप से फ्यूचर वर्सिटी के छात्रों द्वारा किया गया, जिससे उन्हें भारत के सबसे प्रतिष्ठित प्लेटफॉर्म्स में से एक पर वास्तविक इंडस्ट्री अनुभव मिला। रणनीतिक योजना, प्रोडक्शन, क्रिएटिव डायरेक्शन, स्टाइलिंग, बैकस्टेज मैनेजमेंट, मीडिया हैंडलिंग और ऑन-ग्राउंड एग्जीक्यूशन तक छात्रों ने पूरी जिम्मेदारी निभाई। यह पहल फ्यूचर वर्सिटी के इंडस्ट्री-इंटीग्रेटेड लर्निंग मॉडल का उत्कृष्ट उदाहरण है, जहां शिक्षा क्लासरूम से आगे बढ़कर वास्तविक बड़े प्रोजेक्ट्स से जुड़ती है। मुंबई मुख्यालय के साथ दिल्ली, अहमदाबाद, जयपुर और दुबई में संचालन कर रहा फ्यूचर वर्सिटी एजुकेशन ग्रुप नई पीढ़ी की उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

होली से पहले मंदिरों के फूलों से तैयार हर्बल गुलाल बाजार में उतारने की तैयारी तेज

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर में आगामी होली पर्व को लेकर नगर निगम ने अपनी अनूठी ह्यवेस्ट टू वेल्थह्व पहल को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत संचालित इस अभियान के अंतर्गत मंदिरों से प्रतिदिन निकलने वाले श्रद्धा के फूलों को अब कचरे में फेंकने के बजाय उनसे प्राकृतिक और स्वदेशी हर्बल गुलाल तैयार किया जा रहा है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस बार होली पर शहरवासियों को रासायनिक रंगों का सुरक्षित विकल्प उपलब्ध कराया जाएगा। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने बल्देबाग स्थित स्वदेशी प्रसंस्करण प्लांट का विस्तृत निरीक्षण कर उत्पादन प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि होली से पहले पर्याप्त मात्रा में गुलाल तैयार कर लिया जाए, ताकि मांग के अनुरूप आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने गुणवत्ता नियंत्रण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि तैयार गुलाल पूरी तरह रसायनमुक्त, त्वचा के लिए सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल होना चाहिए। नगर निगम के अनुसार शहर के विभिन्न मंदिरों से रोजाना बड़ी मात्रा में गुलाब, गेंदे और अन्य फूल एकत्र किए जा रहे हैं। इन फूलों को वैज्ञानिक प्रक्रिया के तहत पहले छांटा जाता है, फिर सुखाकर और पीसकर प्राकृतिक रंग के रूप में तैयार किया जाता है। पूरी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार के कृत्रिम रसायन या हानिकारक तत्वों का उपयोग नहीं किया जाता। तैयार उत्पाद की पैकेजिंग भी स्वच्छ और आकर्षक तरीके से की जा रही है। प्रशासन ने बताया कि इस पहल से न केवल धार्मिक अपशिष्ट का सार्थक उपयोग हो रहा है, बल्कि शहर में कचरे की मात्रा भी कम हो रही है। पहले मंदिरों से निकलने वाले फूल नालियों और कचरा स्थलों पर पहुंच जाते थे, जिससे प्रदूषण की समस्या बढ़ती थी। अब वही फूल उपयोगी उत्पाद में परिवर्तित होकर बाजार में पहुंचेंगे। निगम की योजना है कि तैयार हर्बल गुलाल को निगम के बिक्री केंद्रों, स्थानीय बाजारों तथा विभिन्न सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाए। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित हुए हैं और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा मिल रहा है। निगमायुक्त ने विश्वास जताया कि यह पहल स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भरता को एक साथ जोड़ने का सफल मॉडल साबित होगी। साथ ही, स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की रैंकिंग में शहर को बेहतर स्थान दिलाने में भी यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। शहर में पहली बार इतने व्यापक स्तर पर मंदिरों के फूलों से प्राकृतिक गुलाल तैयार किया जा रहा है, जिसे नागरिकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद है।

सिहोरा में हालात सामान्य करने प्रशासन ने कसी कमर, संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च, कई संदिग्ध हिरासत में

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जिले के सिहोरा क्षेत्र में हालिया विवाद के बाद शांति व्यवस्था बहाल रखने के लिए प्रशासन और पुलिस ने पूरी ताकत झोंक दी है। गुरुवार रात हुई घटना के बाद से लगातार निगरानी रखी जा रही है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। शुक्रवार देर रात पुलिस ने एक बार फिर संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला, जिसमें जिले के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के नेतृत्व में निकाले गए फ्लैग मार्च में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता, एएसपी जोन-3 सूर्यकांत शर्मा, यातायात एएसपी अंजना तिवारी सहित सिहोरा और पाटन के एसडीओपी व अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। फ्लैग मार्च सिहोरा के चिन्हित संवेदनशील इलाकों से गुजरा और नागरिकों से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई। पुलिस ने देर रात कार्रवाई करते हुए कई संदिग्धों को हिरासत में लिया है। गिरफ्तार व्यक्तियों को एहतियातन माढ़ोताल क्षेत्र में रखा गया है। अधिकारियों का दावा है कि स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है और पर्याप्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। हालांकि प्रशासन के दावों के बावजूद स्थानीय स्तर पर लोगों में दहशत का माहौल देखा जा रहा है। विशेष रूप से व्यापारिक गतिविधियों पर असर पड़ा है। दो दिन पहले तक सामान्य रूप से खुल रही दुकानें अब सतर्कता के साथ संचालित हो रही हैं। कई व्यापारी अब भी आशंकित नजर आ रहे हैं और बाजार में भीड़ सामान्य से कम देखी जा रही है। उल्लेखनीय है कि गुरुवार रात करीब साढ़े नौ बजे दो पक्षों के बीच हुए विवाद के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई थी। हालात को काबू में करने के लिए कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को दो बार मौके पर पहुंचना पड़ा था। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने स्पष्ट किया है कि किसी भी धार्मिक स्थल को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। प्रशासन का कहना है कि शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और क्षेत्र में निरंतर गश्त एवं निगरानी रखी जाएगी, ताकि आमजन का विश्वास बहाल हो सके और बाजार व जनजीवन पूरी तरह सामान्य हो सके।

एमपी पीएससी स्टेट इंजीनियरिंग सर्विस 2025 में अभ्यर्थियों की संख्या में भारी गिरावट, परीक्षा अब सिर्फ इंदौर में

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

स्टेट इंजीनियरिंग सर्विस भर्ती परीक्षा 2025 में इस बार अभ्यर्थियों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। 32 पदों के लिए आयोजित की जा रही इस परीक्षा में केवल लगभग 2,500 अभ्यर्थी शामिल होंगे, जबकि पिछली भर्ती में 23 पदों के लिए करीब 8,000 आवेदन प्राप्त हुए थे। यानी इस बार लगभग 5,500 अभ्यर्थी कम हो गए हैं।

अभ्यर्थियों की संख्या घटने का सीधा असर परीक्षा केंद्रों पर पड़ा है। पहले यह परीक्षा प्रदेश के चार जिलों में आयोजित की जानी थी, लेकिन अब इसे सीमित कर केवल इंदौर में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। जबलपुर सहित अन्य जिलों में परीक्षा नहीं होगी। पीएससी ने इस संबंध में संशोधित अधिसूचना जारी कर दी है।

आयोग ने 20 जनवरी से 19 फरवरी तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए थे। इस भर्ती परीक्षा के माध्यम से जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग तथा

किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग में असिस्टेंट इंजीनियर (सिविल), असिस्टेंट इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) और असिस्टेंट एग्रीकल्चर इंजीनियर के पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। परीक्षा 22 मार्च को एक सत्र में ऑफलाइन पद्धति से ओएमआर शीट आधारित आयोजित की जाएगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि पदों की लगातार घटती संख्या के कारण अभ्यर्थियों का रुझान कम हुआ है। वर्ष 2021 में आयोग ने स्टेट इंजीनियरिंग सर्विस के तहत रिकॉर्ड 493 पद घोषित किए थे। इसके बाद 2022 में यह संख्या घटकर 36 रह गई। वर्ष 2023 में कोई वैकेंसी जारी नहीं की गई। 2024 में मात्र 23 पद घोषित हुए और इस बार 2025 में 32 पद ही निकाले गए हैं, जबकि विभागों की ओर से लगभग 400 पदों की मांग बताई जा रही थी।

दूसरी ओर, असिस्टेंट प्रोफेसर पदों पर लगातार आ रही भर्तियों का सकारात्मक प्रभाव देखा जा रहा है। राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) में इस वर्ष अभ्यर्थियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 1 मार्च को आयोजित होने वाली सेट परीक्षा में 30 से अधिक विषयों के लिए करीब 1 लाख 46 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे, जबकि वर्ष 2024 में यह संख्या लगभग 1 लाख 21 हजार थी। भर्ती विशेषज्ञों का कहना है कि यदि इंजीनियरिंग सेवाओं में पर्याप्त पद घोषित नहीं किए गए तो आने वाले वर्षों में तकनीकी अभ्यर्थियों का रुझान अन्य राज्यों या निजी क्षेत्र की ओर बढ़ सकता है।

सिंधी कैंप में गुंडागर्दी, शोर मचाने से रोकने पर दो बहनों और पिता पर जानलेवा हमला

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

हनुमानताल थाना क्षेत्र के सिंधी कैंप में देर शाम उस समय सनसनी फैल गई, जब शोर-शराबा करने से मना करने पर कुछ युवकों ने एक परिवार पर हमला कर दिया। घटना में दो छात्राएं और उनके पिता घायल हो गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार हीरा पहलवान की बिल्डिंग के पास रहने वाली बीए तृतीय वर्ष की छात्रा मुस्कान अहिरवार ने शिकायत दर्ज कराई है कि उनके घर के पीछे स्थित खाली प्लॉट पर मोहल्ले के कुछ युवक अक्सर जमावड़ा लगाकर शोर-शराबा और हंगामा करते हैं। घटना वाले दिन मनीष चौधरी उर्फ गट्टू, उसका भाई मट्टू उर्फ वीर तथा उनका एक अन्य साथी वहां बैठे हुए थे और तेज आवाज में उपद्रव कर रहे थे। जब मुस्कान, उसकी छोटी बहन पायल और उनके पिता दीपक अहिरवार ने युवकों को समझाइश देने की कोशिश की, तो आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर वे घर से ईंट और लकड़ी का बल्ला लेकर आए और परिवार पर हमला बोल दिया। शिकायत के मुताबिक मनीष ने पायल के बाल पकड़कर उसे घसीटा, जबकि वीर ने उसके सिर पर ईंट से वार कर दिया। तीसरे युवक ने पायल के हाथ पर बल्ले से प्रहार किया। बीच-बचाव करने पहुंची मुस्कान की पीठ पर भी बल्ले से हमला किया गया। आरोप है कि आरोपियों ने उनके पिता की कॉलर पकड़कर उन्हें भी घसीटा, जिससे उन्हें चोटें आईं। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे। पड़ोसी सत्येंद्र चौधरी के पहुंचने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि घायलों का उपचार कराया गया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। क्षेत्र में बढ़ती असामाजिक गतिविधियों को देखते हुए गश्त बढ़ा दी गई है। थाना प्रभारी ने कहा है कि किसी भी प्रकार की गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आईटीआई माढ़ोताल में पेड़ों पर चली कुल्हाड़ी, प्राचार्य की शिकायत पर नगर निगम के वेंडर पर मामला दर्ज

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

माढ़ोताल थाना क्षेत्र स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) परिसर में हरे-भरे और प्राचीन पेड़ों की अवैध कटाई का मामला सामने आने से हड़कंप मच गया है। संस्थान के प्राचार्य की शिकायत पर पुलिस ने नगर निगम के पंजीकृत वेंडर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार प्राचार्य अर्पित शुक्ला ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि कलेक्टर एवं नगर निगम आयुक्त के मौखिक निर्देश पर आईटीआई परिसर में सौंदर्यीकरण, वृक्षारोपण और अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया जा रहा था। इस अभियान के तहत केवल पेड़ों की छंटाई की अनुमति दी गई थी। छंटाई कार्य की जिम्मेदारी प्रशिक्षण अधिकारी सौरभ पोद्दार को सौंपी गई थी, जिन्होंने यह कार्य नगर निगम के पंजीकृत वेंडर मोहम्मद अदनान को दिया। शिकायत में उल्लेख किया गया है कि कुछ दिन पहले परिसर के निरीक्षण के दौरान प्राचार्य ने पाया कि कदम, इमली, बेर और शीशम जैसे लगभग 8 से 10 प्राचीन और स्वस्थ वृक्ष पूरी तरह गायब हैं। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि छंटाई के नाम पर वेंडर ने पेड़ों को जड़ से काट दिया।

दस्तावेज विहीन कमर्शियल वाहनों पर उड़नदस्ता की सख्त कार्रवाई, 97 हजार से अधिक जुमार्ना वसूला

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

सड़कों पर अधूरे कागजात के सहारे दौड़ रहे कमर्शियल वाहनों के खिलाफ संभागीय उड़नदस्ता द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। विभाग की इस मुहिम का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। जहां एक ओर वाहन चालकों में परमिट, फिटनेस, बीमा और पीयूसी सहित आवश्यक दस्तावेज साथ रखने की जागरूकता बढ़ी है, वहीं दूसरी ओर नियमों की अनदेखी करने वालों से जुमार्ने के रूप में राजस्व की भी वसूली हो रही है। संभागीय उड़नदस्ता प्रभारी राजेन्द्र साहू ने बताया कि विशेष जांच अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों पर कमर्शियल वाहनों की सघन जांच की गई। इस दौरान वाहन क्रमांक यूपी 53 ईटी 3227, जीजे 21वाई 6970 और एमएच 40 सीएम 0711 के दस्तावेज अपूर्ण पाए गए। आवश्यक कागजात प्रस्तुत न कर पाने पर तीनों वाहनों को जब्त कर विधिसम्मत कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि संबंधित वाहनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम तथा केंद्रीय मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए कुल 97,100 रुपये का राजस्व वसूल किया गया। विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि यह अभियान नियमित रूप से जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उड़नदस्ता प्रभारी ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे अपने वाहन के सभी वैध दस्तावेज—परमिट, फिटनेस प्रमाणपत्र, बीमा, पीयूसी और अन्य आवश्यक कागजात—हमेशा साथ रखें। नियमों का पालन करने से न केवल जुमार्ने से बचा जा सकता है, बल्कि सड़क सुरक्षा भी सुनिश्चित होती है। विभाग का कहना है कि इस तरह की निरंतर कार्रवाई से सड़कों पर अवैध और असुरक्षित संचालन पर रोक लगेगी तथा परिवहन व्यवस्था अधिक व्यवस्थित और सुरक्षित बन सकेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. राजेश जायसवाल के लिए, मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे एम.आर.-4 रोड उखरी जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित और कल्चुरी भवन हाउस नं. 3367/1, विवेक नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक : डॉ.राजेश जायसवाल* सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं. MPHIN/2014/60079 मो. 9425154229, फोन-0761-4085321 e-mail: tripuritimes@gmail.com